JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
जनमार्ग

केन्द्र व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

RNI Registration No. 3773 / 58
e-mail :dainikjanmarg@gmail.com
Website:- www.janmarg.com

जनमार्ग

निष्पक्ष ◆ निर्भिक ◆ सांध्य दैनिक

आज का मौसम
अधिकतम : 30
न्यूनतम : 12
हवा में नमी : 90

वर्ष : 66 ● अंक: 87 ● श्रीगंगानगर, मंगलवार, 18.02.2025, मो. 94140-87692, 77421-86692, 0154-2970692 ● मूल्य: 2 रुपये ● पृष्ठ :8

डेल्टा एयरलाइंस का विमान क्रैश, 18 घायल

जनमार्ग न्यूज

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो के पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस का एक विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 18 लोग घायल हो गए, जिनमें 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्लेन में 76 पैसेंजर और 4 क्रू मेंबर्स थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान अमेरिका के मीनियापोलिस से टोरंटो आ रहा था। फ्लैप एक्चुएटर फेलियर (एफएएफ) की वजह से विमान अचानक पलट गया। यानी लैंडिंग के दौरान विमान के पंखों पर लगे फ्लैप सही से काम नहीं कर पाए। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि हादसे के समय टोरंटो में तेज बर्फीला तूफान चल रहा था। कनाडा के मौसम विभाग के अनुसार, 65 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। इसी वजह से प्लेन पलट गया। हालांकि, हादसे का सही कारण पता नहीं चल सका है। कनाडा का परिवहन सुरक्षा बोर्ड हादसे की जांच कर रहा है। इसमें अमेरिका की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड भी मदद कर रहा है।

वित्त मंत्री कल पेश करेंगी राजस्थान का बजट

» किसान व बेरोजगारों को सरकार से आस » नए जिलों और आठवें वेतन आयोग के लिए फंड की दरकार

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। वित्त मंत्री दीया कुमारी बुधवार को राजस्थान का बजट पेश करेंगी। इस बार लोकलुभावन घोषणाओं की जगह इंफ्रास्ट्रक्चर और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाले ठोस कामों पर ज्यादा फोकस रह सकता है। बजट में नए जिलों के लिए फंड देने की घोषणा होगी। क्योंकि नए जिलों में दफ्तर से लेकर सभी तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने पर सैकड़ों करोड़ खर्च होंगे। गहलोत राज के जिले खत्म करने के बाद यह पहला बजट है। इसके अलावा सरकारी कर्मचारियों के लिए केंद्र ने आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा की है। केंद्र के बाद राज्य को भी आठवां वेतन आयोग लागू करना होगा। आठवें वेतन आयोग के लिए जरूरी तैयारियों और फंड की व्यवस्था करने के लिए बजट में घोषणा होगी। बजट में जलजीवन मिशन के तहत 10 लाख नए कनेक्शन देने की घोषणा होगी। केंद्र ने मिशन की समय बढ़ा दिया है। बजट में युवाओं, महिलाओं और किसानों पर फोकस रहेगा। सरकार को आगे निकाय और ग्राम पंचायत चुनावों में जाना है। ऐसे में गांव और शहरों के विकास वाली घोषणाओं को बजट में शामिल किया जाएगा। बजट में जयपुर मेट्रो का विस्तार करने अगले फेज का काम शुरू करने की घोषणा की जा सकती है। जयपुर सहित बड़े शहरों में नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने की घोषणा संभव है। इसके अलावा रोडवेज के लिए नई बसों की खरीद की घोषणा होगी। रोडवेज में लगातार बसें कम हो रही हैं। इसके अलावा नए बस स्टेशनों के विकास की भी घोषणा हो सकती है। जलदाय विभाग में कांग्रेस सरकार की फ्री पानी की स्कीम बंद कर नई स्कीम लागू करने की घोषणा हो सकती है। वाटर ऑडिट का नया सिस्टम लागू हो सकता है। जिन पानी के कनेक्शनों पर मीटर नहीं है, वहां स्मार्ट मीटर लगाने की घोषणा संभव है। स्टेट वाटर ग्रिड बनाने की घोषणा संभव है। राम जल सेतु प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के साथ वाटर ग्रिड का काम भी आगे बढ़ाया जाएगा। बड़े तालाब और नए जलाशयों की मरम्मत कर उन्हें फिर से तैयार किया जाएगा। नए एक्सप्रेस-वे और कनेक्टिंग रोड बनाने की घोषणा संभव। राजस्थान रोड डेवलपमेंट और मेंटेनेंस प्रोग्राम शुरू होगा। जिसके तहत खराब सड़कों का रखरखाव किया जाएगा। जिला और स्थानीय लेवल की नई सड़कों की मरम्मत और अपग्रेडेशन की घोषणा। नए फ्लाई ओवर, आरयूबी और आरओबी बनाने की घोषणा।

ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन के नोटिफिकेशन से प्रशासन परेशान

● कलक्टर, एसडीएम, एडीएम मांग रहे मार्गदर्शन

जयपुर (जनमार्ग न्यूज)। राजस्थान में पिछले महीने ग्राम पंचायतों और पंचायत समितियों के पुनर्गठन और पुनर्सीमांकन के संबंध में जारी दिशा निर्देशों (नोटिफिकेशन) के बाद प्रशासन परेशान हो गया। हर रोज जिलों से कलेक्टर, एसडीएम, एडीएम से अलग-अलग मामलों में मार्गदर्शन मांगा जा रहा है। इसके चलते ग्रामीण एवं पंचायती राज विभाग को हर रोज नए-नए आदेश जारी करके क्लेरीफिकेशन (स्थिति स्पष्ट) करना पड़ रहा है। पिछले कुछ ही दिनों में विभाग ने 3 से ज्यादा आदेश जारी कर दिए हैं। सोमवार को भी एक आदेश जारी करते हुए विभाग ने निकायों में शामिल हुए राजस्व ग्रामों के संबंध में स्थिति स्पष्ट की है। इस आदेश के मुताबिक ऐसी ग्राम पंचायतें जिनके राजस्व गांव आंशिक तौर पर नगरीय निकायों (नगर पालिका, नगर परिषद या नगर निगम) में सम्मिलित हो गए हैं।

सरकारी स्कूल में खेलते-खेलते तीन छात्राओं की मौत

● अचानक पट्टियां टूटीं और नीचे गहरे गड्ढे में गिरीं

जनमार्ग न्यूज

नोखा। बीकानेर के नोखा में सरकारी स्कूल की तीन छात्राओं की मौत हो गई। तीनों लड़कियां खेलते-खेलते स्कूल परिसर में बने वाटर टैंक के ऊपर चली गई थीं। इसी दौरान टैंक के ऊपर लगीं पट्टियां टूट गई और तीनों लड़कियां नीचे जा गिरीं। तीनों को हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हादसा नोखा क्षेत्र के केडली गांव के राजकीय प्राथमिक स्कूल देवानाडा में हुआ। मृतकों में प्रज्ञा (8) पुत्री रेखाराम जाट, भारती पुत्री ओमाराम जाट और रवीना पुत्री बागाराम शामिल हैं। हादसे की सूचना पर उपखंड अधिकारी गोपाल जांगिड़ और थानाधिकारी अमित स्वामी हॉस्पिटल पहुंचे। शिक्षा विभाग को भी घटना की सूचना दी गई है।

महाकुंभ से लौट रही कार ट्रेलर में घुसी, 5 मौत

दौसा (जनमार्ग न्यूज)। दौसा में हुए भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महाकुंभ से लौट रहे यात्रियों की कार सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में पीछे से टकरा गई। हादसा मंगलवार सुबह करीब 11 बजे दौसा शहर के बाइपास पर हुआ। कार में 8 लोग सवार थे। गाड़ी में फंसे 5 शवों को निकालने में करीब एक घंटे का समय लगा। तीन घायलों को जिला हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। गाड़ी के कुछ हिस्से तोड़कर बॉडी बाहर निकाली गई। कार सवार टोंक के देवली के रहने वाले हैं। दौसा डीएसपी रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि एक्सीडेंट में मुकुट बिहारी पुत्र किस्तूर चंद, निधि पत्नी राकेश सोनी, राकेश पुत्र किशनलाल, गुड्डी देवी पत्नी मुकुट बिहारी और नफीस की मौत हो गई है। पुलिस के अनुसार ईको कार में गैस किट लगी हुई है। इस कारण आसपास से निकल रहे ट्रैफिक को रोका गया है।

आईपीएस पंकज चौधरी का डिमोशन

● पहली बार आईपीएस अधिकारी का पे स्केल घटाया

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान के इतिहास में पहली बार भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी का डिमोशन किया गया है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पंकज कुमार चौधरी पर यह कार्रवाई पारिवारिक मामले की जांच के बाद की गई है। इससे पहले किसी भी आईपीएस अधिकारी पर ऐसी कार्रवाई नहीं की गई थी। कार्मिक विभाग की जांच के बाद चौधरी का 3 साल के लिए डिमोशन किया गया है। चौधरी राजस्थान कैडर के 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। जांच के बाद लेवल 11 की वेतन श्रृंखला से लेवल 10 की कनिष्ठ वेतन श्रृंखला में डिमोशन किया गया है। जॉइनिंग के समय फ्रेशर आईपीएस को कनिष्ठ वेतन श्रृंखला (जूनियर पे स्केल) मिलती है। अब उनका पदनाम पुलिस अधीक्षक से पुलिस अधीक्षक (लेवल 10) कर दिया गया है। वे वर्तमान में पुलिस अधीक्षक कम्युनिटी पॉलिसिंग, पुलिस मुख्यालय जयपुर के पद पर कार्यरत हैं। वहीं पंकज चौधरी का कहना है कि कार्मिक विभाग का आदेश प्राप्त हो चुका है। इस संदर्भ में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, नई दिल्ली के 2020, हाईकोर्ट, नई दिल्ली के 2021 के आदेश, सुप्रीम कोर्ट के 2021 के आदेश द्वारा मेरे पक्ष में चार वर्ष पूर्व निर्णय पारित हो चुका है।

महाकुंभ में जबरदस्त भीड़, संगम आने वाले रास्ते जाम

जनमार्ग न्यूज

प्रयागराज। महाकुंभ में अब सिर्फ 8 दिन बचे हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ कम नहीं हो रही है। 37 दिनों में 54 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। मंगलवार सुबह भी जबरदस्त भीड़ है। संगम आने वाले रास्तों पर लंबा जाम लगा है। पुलिस डायवर्जन के लिए टीन शेड लगा रही है। आज सुबह 10 बजे तक 53.24 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। अभिनेत्री जूही चावला ने भी संगम में स्नान किया और कहा कि मेरी जिंदगी की सबसे अच्छी सुबह थी। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी संगम में डुबकी लगाने पहुंचे। आज पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम और एक्टर पवन कल्याण संगम में डुबकी लगाएंगे। इससे पहले, सोमवार रात नैनी नया ब्रिज, फाफामऊ जैसे महाकुंभ से सटे इलाकों में 10-12 किमी लंबी कारों की लाइन लगी रही। 8 से 10 किमी के सफर में लोगों को 3 से 4 घंटे लग गए। प्रशासन का अनुमान था कि वीकेंड के बाद भीड़ कम होगी। हालांकि, सोमवार को ही एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचे। पुलिस बाहर से आने वाली गाड़ियों को शहर में एंट्री से पहले ही रोक रही है।

ट्रक से टक्कर के बाद प्राइवेट बस नाले में गिरी

● हादसे में 5 की मौत, 30 लोग घायल

जनमार्ग न्यूज

फरीदकोट। फरीदकोट में ट्रक की टक्कर के बाद प्राइवेट बस रेलिंग तोड़ते हुए नाले में जा गिरी। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 30 लोग घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए फरीदकोट के गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। 2 लोगों के हाथ कट गए हैं। उन्हें इलाज के लिए अमृतसर रेफर किया गया है। घटना मंगलवार सुबह कोटकपूरा रोड पर हुई। न्यू दीप ट्रांसपोर्ट कंपनी की यह बस कोटकपूरा से फरीदकोट आ रही थी। हादसे की सूचना मिलते ही डीसी विनीत कुमार और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद बचाव कार्य शुरू किया गया। एसएसपी प्रज्ञा जैन ने बताया कि हादसे की वजह अभी तक साफ नहीं है। पुल का काम अंडर कंस्ट्रक्शन था। हमारी पहली कोशिश लोगों की जान बचाने की है। सख्त धाराओं के तहत केस दर्ज किया जाएगा। प्रत्यक्षदर्शी शमशेर सिंह ने बताया कि वह बाबा रोडे शाह की दरगाह से माथा टेक कर जा रहे थे। बस सवारियों से भरी हुई थी। स्पीड में होने के कारण बस चालक को सामने से आता ट्रक नहीं दिखा। इसके बाद सीधे ट्रक से टकरा गई। फिर बस पुल की रेलिंग को तोड़कर नाले में गिरी। बस के गिरते ही वहां अफरा तफरी मच गई। लोग मदद के लिए चिल्लाने लगे। वहां पर लोग एकजुट हो गए। आसपास के लोग सीढ़ी लेकर पहुंचा। किसी तरह कुछ घायलों को बाहर निकाला गया। पुलिस की गाड़ियों में भरकर उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डीसी विनीत कुमार ने बताया कि बस में करीब 35 सवार थी। 2 लोगों के हाथ कट गए हैं। उन्हें अमृतसर रेफर किया गया है। हमारा फोकस घायलों को बढ़िया सुविधा देने पर लगा हुआ है।

चिकित्सकों के पदों पर फिर बढ़ोत्तरी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान में भजनलाल सरकार ने बजट से एक दिन पहले राजस्थान में चिकित्सकों के पदों पर एक बार फिर से बढ़ोत्तरी की गई है। मेडिकल ऑफिसर की परीक्षा चार अप्रेल को होगी। आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 18 फरवरी है। राजस्थान में 19 फरवरी को राज्य बजट घोषित किया जाएगा। भजनलाल सरकार का युवा चिकित्सकों को एक और तोहफा दिया गया है। मेडिकल ऑफिसर के पदों में एक बार फिर से बढोत्तरी की गई है। इस बार सरकार ने 220 पद बढाए गए हैं। फिलहाल 1480 पदों पर प्रक्रिया जारी है। नए पद और बढने से यह संख्या अब 1700 तक हो गई है। नोडल एजेंसी राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ने पद बढाने के लिए नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है।

पूर्व मंत्री के केस में नरेश मीणा को जमानत

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया के घर के बाहर प्रदर्शन करने और भीड़ को उकसाने के मामले में नरेश मीणा को आज राजस्थान हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। जस्टिस सुदेश बंसल की अदालत ने नरेश मीणा को जमानत दी। सुनवाई के दौरान सरकार ने समरावता केस में हाईकोर्ट द्वारा नरेश मीणा की जमानत याचिका को खारिज करने का आदेश दिखाते हुए कहा कि यह आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। इसे जमानत नहीं दी जानी चाहिए। कोर्ट ने इस बात को नजरअंदाज करते हुए कहा कि सभी मामलों की परिस्थिति व तथ्य अलग-अलग होते हैं। दरअसल, सितम्बर 2023 को नरेश मीणा पर लोगों के साथ भाया के घर के बाहर धरना देने और भीड़ को उकसाने का आरोप था। इस मामले पुलिस ने नरेश मीणा को करीब डेढ़ साल तक गिरफ्तार नहीं किया था।

राज्य में मास्टर प्लान और बिल्डिंग बायलॉज के विपरीत निर्माण

● राज्य में 7 से 8 लाख अवैध निर्माण ● कम्पाउंडिंग के जरिए वैध कराने में जुटे अफसर ● कोर्ट के आदेशों की नहीं हो रही पालना

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद राज्य में 7 लाख निर्माण के अवैध हिस्से को कम्पाउंडिंग के जरिए वैध कराने के लिए अफसर एक बार फिर जुट गए हैं। मास्टर प्लान मामले में सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिका के लिए नए सिरे से जवाब तैयार किया जा रहा है। इसमें हाईकोर्ट के आदेशों से छूट चाहने वाले बिन्दुओं पर विस्तार से तथ्यात्मक स्थिति बताई जाएगी। इसमें अवैध हिस्से को कम्पाउंड करने का बड़ा मामला भी है। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग को प्रदेश के बड़े शहरों से जो शुरुआती जानकारी मिली है, उसमें कम्पाउंडिंग के दायरे में वाली करीब सात लाख प्रॉपर्टी है। सरकार का मानना है कि अब इन्हें वापिस मूल स्वरूप नहीं ला सकते हैं, लेकिन भविष्य में कोर्ट के आदेश के अनुसार ही काम होगा। गंभीर यह है कि मास्टरप्लान की पालना को लेकर हाईकोर्ट ने पहले 2017 और 2019 में विस्तृत आदेश दिए थे, लेकिन उसकी पालना नहीं हो रही। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ के न्यायाधीश परदीवाला व आर माधव ने 17 दिसंबर,2024 को सरकारों को आदेश दिए थे कि वे सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के अनुसार लोकल अथॉरिटी और कॉरपोरेशन को परिपत्र जारी करें। वे सुनिश्चित करें कि कहीं भी अवैध निर्माण, आवासीय कॉलोनी में व्यवसायिक निर्माण और मास्टरप्लान व जोनल प्लान के विपरीत निर्माण हो रहे हैं तो उन्हें तुरंत रोकें। नियमानुसार भवन निर्माण के बाद ही बिजली, पानी व सीवरेज के कनेक्शन दिए जाएं। निर्धारित प्लान के विपरीत निर्माण की अनुमति नहीं दी जाए। भवन विनियमों की सख्ती से पालना की जाए। सेटबैक सहित भवन विनियम के प्रावधानों की अनदेखी कर किए गए निर्माण को कम्पाउंड नहीं किया जाए। इकोलोजिकल जोन की 200 किमी. जमीन से जुड़ा है। यहां भूमि पर आबादी बस चुकी है। इसमें राजधानी जयपुर के इकोलोजिकल हिस्से में ही दो लाख से ज्यादा आबादी बसी है। प्रदेश में 25 किलोमीटर खुली भूमि पर भी सरकारी अनुमति से आबादी बस चुकी है। मास्टर प्लान और बिल्डिंग बायलॉज के विपरीत निर्माण मामले में सरकार की पोल भी खुलती रही है। सुप्रीम कोर्ट में भेजी जा चुकी रिपोर्ट में साफ अंकित है कि राज्य में करीब 7 से 8 लाख से ज्यादा निर्माण ऐसे हैं जो अवैध हैं, लेकिन अब इन्हें ध्वस्त नहीं किया सकता है क्योंकि ज्यादातर में आजीविका के संसाधन भी संचालित हो रहे हैं।

दिल्ली हादसे के बाद रेलवे ने रद्द की कई ट्रेनें

● प्रयागराज महाकुंभ जाने वाली स्पेशल ट्रेनें 28 तक कैंसिल

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। प्रयागराज महाकुंभ में बढ़ती भीड़ और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हाल ही में हुए हादसे के बाद रेलवे ने इस रूट की कई ट्रेनों को 28 फरवरी तक रद्द करने का फैसला किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि महाकुंभ के लिए चलाई गई कई स्पेशल ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। रेलवे ने यह कदम महाकुंभ के दौरान बढ़ती भीड़ को कंट्रोल करने के लिए उठाया है। यदि कोई यात्री प्रयागराज की ओर यात्रा करना चाहता है या महाकुंभ की प्लानिंग कर रहा है, तो उसे अपनी यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की पुष्टि कर लेनी चाहिए। कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जिससे सफर करने वालों को परेशानी हो सकती है। मथुरा-अलवर ट्रेन (गाड़ी संख्या 51971/51972) 18 फरवरी 2025 से 28 फरवरी 2025 तक रद्द। मथुरा-जयपुर ट्रेन (गाड़ी संख्या 51973/51974) 18 फरवरी 2025 से 28 फरवरी 2025 तक रद्द। आगरा फोर्ट-अजमेर ट्रेन (गाड़ी संख्या 12195/12196) 18 फरवरी 2025 से 28 फरवरी 2025 तक रद्द। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ को कंट्रोल करने के लिए सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) और दिल्ली पुलिस की तैनाती की गई है। केंद्र सरकार ने महाकुंभ के दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। इसके अलावा, रेलवे ने 26 फरवरी तक शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक काउंटर से प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री बंद कर दी है।

सम्पादकीय

स्वास्थ्य हो रहा प्रभावित

आनलाइन शिक्षा कार्यक्रमों के दौरान मोबाइल फोन के उपयोग को बढ़ावा तो दिया गया है, लेकिन जब इस मसले पर समीक्षा की गई तो यह उजागर हुआ कि तकनीक एक सीमा तक कुछ संदर्भों में सीखने में सहायक कारक की भूमिका निभा सकती है दुनिया में जैसे-जैसे आधुनिक तकनीकी का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे रोजमर्रा की जिंदगी में इसका दखल बढ़ता जा रहा है। जो मोबाइल फोन कभी दूर बैठे दो लोगों के बीच सिर्फ बातचीत का जरिया था, आज वह ज्यादातर कामों के लिए बेहद जरूरी होता गया है। अब तो इसके बिना पढ़ाई-लिखाई की बात भी अधूरी लगने लगी है। मगर इसी के समांतर स्मार्टफोन के अतिशय उपयोग ने एक बहस खड़ी की है कि शिक्षा के लिए स्मार्टफोन पर निर्भरता से क्या बच्चों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी टीम के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर 2024 के अंत तक पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसद ने विशेष कानूनों या नीतियों के जरिए स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। दरअसल, शिक्षा के क्षेत्र में स्मार्टफोन का बहुस्तरीय उपयोग का दायरा और असर शिक्षा प्रणालियों में इसके उपयोग को एक तरह से अनिवार्य बनाए जाने की व्यवस्था से जुड़ा प्रश्न है। दूसरी ओर, दुनिया के कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर अब नई बहस शुरू हो गई है, जिसमें मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक जरूरी पक्ष है। आनलाइन शिक्षा कार्यक्रमों के दौरान मोबाइल फोन के उपयोग को बढ़ावा तो दिया गया है, लेकिन जब इस मसले पर समीक्षा की गई तो यह उजागर हुआ कि तकनीक एक सीमा तक कुछ संदर्भों में सीखने में सहायक कारक की भूमिका निभा सकती है, लेकिन जब इसका अत्यधिक या फिर अनुचित तरीके से उपयोग किया जाता है, तो इसके विपरीत असर देखने में आते हैं। एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि इसके इस्तेमाल की वजह से विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई से भटक जाता है।

भूकंप बड़े संकट की आहट तो नहीं

कुछ भूगर्भ वैज्ञानिकों का मानना है कि अक्सर कई छोटे भूकंप बड़ी तबाही का संकेत होते हैं। दिल्ली-एनसीआर को लेकर खतरा इसलिए भी जताया जाता रहा है क्योंकि पिछले कुछ दशकों में दिल्ली-एनसीआर की आबादी काफी बढ़ी है और ऐसे में यदि यहां 6 से अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो वह भारी तबाही मचा सकता है। एनसीएस के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली को हिमालयी बेल्ट से काफी खतरा है, जहां 8 की तीव्रता वाले भूकंप आने की भी क्षमता है। दिल्ली से करीब दो सौ किलोमीटर दूर हिमालय क्षेत्र में अगर 7 या इससे अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो दिल्ली के लिए बड़ा खतरा है। ऐसे में सवाल है कि भूकंप से बचाव के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है?

दिल्ली-एनसीआर में 17 फरवरी की सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर भूकंप के तेज झटकों ने अचानक लोगों की नींद उड़ा दी और दहशत में लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। झटके इतने तेज थे कि इमारतें हिलने लगी और ऐसा लगा मानो कोई बम ब्लास्ट हुआ हो। हालांकि नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक, नई दिल्ली में आया भूकंप रिक्टर स्केल पर 4.0 तीव्रता वाला ही था लेकिन इसका केंद्र नई दिल्ली में जमीन से केवल पांच किलोमीटर की गहराई पर ही था, इसीलिए इसकी गहराई कम होने और केंद्र दिल्ली में होने के कारण ही दिल्ली-एनसीआर में इसे ज्यादा महसूस किया गया। झटके इतने तेज थे कि इमारतें हिलने लगी, पेड़ों पर बैठे पक्षी भी तेज आवाज के साथ इधर-उधर उड़ने लगे और लोग खौफ के साये में अपने घरों से बाहर निकल गए। राष्ट्रीय भूकंप केंद्र (एनसीएस) के मुताबिक, कई वर्षों के बाद भूकंप का केंद्र दिल्ली रहा और इसी कारण यहां लोगों को भूकंप के झटके काफी देर तक महसूस हुए। भूकंप का केंद्र नई दिल्ली के धौला कुआं में दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास था। राहत की बात यही है कि भूकंप के झटकों से जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन लोगों के मन में सवाल यही है कि कहीं दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत में हल्के और मध्यम भूकंप के झटके हिमालय क्षेत्र में किसी बड़े भूकंप की आशंका को तो नहीं बढ़ा रहे।

दरअसल कुछ भूगर्भ वैज्ञानिकों का मानना है कि अक्सर कई छोटे भूकंप बड़ी तबाही का संकेत होते हैं। दिल्ली-एनसीआर को लेकर खतरा इसलिए भी जताया जाता रहा है क्योंकि पिछले कुछ दशकों में दिल्ली-एनसीआर की आबादी काफी बढ़ी है और ऐसे में यदि यहां 6 से अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो वह भारी तबाही मचा सकता है। एनसीएस के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली को हिमालयी बेल्ट से काफी खतरा है, जहां 8 की तीव्रता वाले भूकंप आने की भी क्षमता है। दिल्ली से करीब दो सौ किलोमीटर दूर हिमालय क्षेत्र में अगर 7 या इससे अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो दिल्ली के लिए बड़ा खतरा है। हालांकि ऐसा भीषण भूकंप कब आएगा, इस बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कोई सटीक अनुमान लगाना संभव नहीं है। दरअसल भूकंप के पूर्वानुमान का न तो कोई उपकरण है और न ही कोई मैकेनिज्म। दिल्ली में बड़े भूकंप के खतरे को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग के भूकंप रिस्क असेसमेंट सेंटर द्वारा कुछ समय पहले दिल्ली-एनसीआर में इमारतों के मानक में शीघ्रातिशीघ्र बदलाव किए जाने का परामर्श दिया गया था। राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में आ रहे भूकंपों को लेकर अध्ययन चल रहा है। उनका कहना है कि इसके कारणों में भू-जल का गिरता स्तर भी एक प्रमुख वजह सामने आ रही है, इसके अलावा अन्य कारण भी तलाशे जा रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दिल्ली की ऊंची-ऊंची आलीशान इमारतें और अपार्टमेंट किसी बड़े भूकंप को झेलने की स्थिति में हैं?

विशेषज्ञों के अनुसार दिल्ली में बार-बार आ रहे भूकंप के झटकों से पता चलता है कि दिल्ली-एनसीआर के फॉल्ट इस समय सक्रिय हैं और इन फॉल्ट में बड़े भूकंप

की तीव्रता 6.5 तक रह सकती है। इसीलिए विशेषज्ञ कहते रहे हैं कि बार-बार लग रहे भूकंप के इन झटकों को बड़े खतरे की आहट मानते हुए दिल्ली को नुकसान से बचने की तैयारियां कर लेनी चाहिए। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में निरन्तर लग रहे झटकों को देखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट भी कई बार कड़ा रूख अपना चुका है। हाईकोर्ट ने कुछ समय पहले दिल्ली सरकार, डीडीए, एमसीडी, दिल्ली छावनी परिषद, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को नोटिस जारी करते हुए पूछा था कि तेज भूकंप आने पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं? अदालत द्वारा चिंता जताते हुए कहा गया था कि सरकार और अन्य निकाय हमेशा की भांति भूकंप के झटकों को हल्के में ले रहे हैं जबकि उन्हें इस दिशा में गंभीरता दिखाने की जरूरत है। अदालत का कहना था कि भूकंप जैसी विपदा से निपटने के लिए ठोस योजना बनाने की जरूरत है क्योंकि भूकंप से लाखों लोगों की जान जा सकती है। दिल्ली सरकार तथा एमसीडी द्वारा दाखिल किए गए जवाब पर सख्त टिप्पणी करते हुए अदालत यहां तक कह चुकी है कि भूकंप से शहर को सुरक्षित रखने को लेकर उठाए गए कदम या प्रस्ताव केवल कागजी शेर हैं और ऐसा नहीं दिख रहा कि एजेंसियों ने भूकंप के संबंध में अदालत द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश का अनुपालन किया हो। दिल्ली-एनसीआर भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील है, जो दूसरे नंबर के सबसे खतरनाक सिस्मिक जोन-4 में आता है। इसीलिए अदालत को कहना पड़ा था कि केवल कागजी कारंवाई से काम नहीं चलेगा बल्कि सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर ठोस काम करने की जरूरत है। वास्तविकता यह है कि पिछले कई वर्षों में भूकंप से निपटने की तैयारियों के नाम पर केवल खानापूर्ति ही हुई है।

दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ समय में आए भूकंप के ज्यादातर झटके भले ही रिक्टर पैमाने पर कम तीव्रता वाले रहे हों और 17 फरवरी को आया भूकंप भी रिक्टर पैमाने पर 4.0 तीव्रता का ही रहा हो किन्तु इस भूकंप के जोरदार झटकों ने जिस कदर लोगों को खौफजदा कर दिया, ऐसे में भूकंप पर शोध करने वाले ऐसे झटकों को बड़े खतरे की आहट मान रहे हैं। इसीलिए अधिकांश भूकंप विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली एनसीआर की इमारतों को भूकंप के लिए तैयार करना शुरू कर देना चाहिए ताकि बड़े भूकंप के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। एक अध्ययन के मुताबिक दिल्ली में करीब 90 फीसदी मकान क्रंकीट और सरिये से बने हैं, जिनमें से 90 फीसदी इमारतें रिक्टर स्केल पर छह तीव्रता से तेज भूकंप को झेलने में समर्थ नहीं हैं। एनसीएस के अध्ययन के अनुसार दिल्ली का करीब 30 फीसदी हिस्सा जोन-5 में आता है, जो भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट में भी कहा गया है कि दिल्ली में बनी नई इमारतें 6 से 6.6 तीव्रता के भूकंप को झेल सकती हैं जबकि पुरानी इमारतें 5 से 5.5 तीव्रता का भूकंप ही सह सकती हैं। विशेषज्ञ बड़ा भूकंप आने पर दिल्ली में जान-माल का ज्यादा नुकसान होने का अनुमान इसलिए भी लगा रहे हैं क्योंकि करीब 2.25 करोड़ आबादी वाली दिल्ली में प्रतिवर्ग किलोमीटर दस हजार लोग रहते हैं और कोई बड़ा भूकंप 300-400 किलोमीटर की रेंज तक असर दिखाता है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक भूकंप की तीव्रता की अधिकतम सीमा तय नहीं की गई है। हालांकि रिक्टर स्केल पर 7 या उससे अधिक तीव्रता वाले भूकंप को अधिक खतरनाक माना जाता है। रिक्टर स्केल पर 2 या उससे अधिक तीव्रता वाला भूकंप 'सूक्ष्म भूकंप' कहलाता है, जिसके झटके सामान्यतः महसूस नहीं होते। 4.5 की तीव्रता वाले भूकंप घरों को क्षतिग्रस्त कर सकते हैं। बहरहाल, यहां सवाल यह है कि निरन्तर आ रहे भूकंप को रोका कैसे जाए और इसके लिए क्या कदम उठाए जाएं?

व्यक्ति को निरंतर रूप से निखारती है आत्म-प्रतिस्पर्धा

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहते हुए वह अनेक छोटे-बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। समाज का अंग होते हुए, समाज में अपनी पहचान बनाना भी प्रत्येक व्यक्ति का एक उद्देश्य जैसा ही प्रतीत होता है। इन उद्देश्यों, लक्ष्यों व उपलब्धियों की प्राप्ति के लिए चल रहे अनवरत प्रयत्नों के फलस्वरूप एक सामाजिक प्रक्रिया जन्म लेती है। इस सामाजिक प्रक्रिया का नाम है-प्रतिस्पर्धा। यदि सरल शब्दों में कहा जाए तो बेहतर प्रदर्शन करने की तीव्र लालसा। यह लालसा एक अबोध शिशु से लेकर एक वृद्ध तक सभी में विद्यमान रहती है। वस्तुतः जब आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं होती, तो प्रतिस्पर्धा स्वतः ही जन्म ले लेती है। प्रतिस्पर्धा में कदाचित विरोध व ईर्ष्या की भावनाएं भी अंतर्निहित होती हैं, किंतु ऐसी प्रतिस्पर्धा स्वस्थ नहीं कही जाती। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा वास्तव में उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतिस्पर्धा की यही विशेषता इसे संघर्ष से अलग करती है। एक अन्य विशेष बात यह है कि प्रतिस्पर्धा किसी तंत्र विशेष तक ही सीमित रहती है। एक विशेष तरह की प्रतिस्पर्धा एक विशेष तंत्र में ही दृष्टिगोचर होती है। किसी व्यक्ति के साथ आपकी प्रतिस्पर्धा केवल तभी तक रहती है, जब तक आप उसके साथ किसी तंत्र को साझा करते हैं। किसी व्यक्ति द्वारा वह तंत्र छोड़ते ही प्रतिस्पर्धा स्वतः समाप्त हो जाती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रतिस्पर्धा सदैव दूसरे व्यक्ति के साथ ही हो।

मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी

अगस्त्य नाम के ऋषि थे वे समुद्र के किनारे कठोर व्रत कर रहे थे, वहां से कुछ दूरी पर एक पक्षी अपने अंडों को से रहा था। उसी समय समुद्र में तूफान सी लहरे उठने लगी पानी चढ़ने लगा और पानी अपने साथ अंडो को बहा ले गया, पक्षी बहुत दुःखी हुआ और उसने प्रतिज्ञा की कि मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी और अपने चोंच में सागर के जल को भर भर कर फेंकने लगी ऐसा करते करते उसे काफी समय बित गया समुद्र का जल घटा ही नही। वह दुःखी मन से अगस्त्य मुनि के पास गई और अपनी व्यथा सुना समुद्र को सुखाने की प्रार्थना की। अगस्त्य मुनि ने ध्यान से पक्षी की व्यथा सुनी और चिंता व्यक्त की। ऋषि विचार करने लगे की मैं कैसे इस पक्षी की सहायता कर सकता हूं। उन्हें चिंता होने लगी की मैं कैसे समुद्र के जल को पी कर सुखा सकूंगा। विचार करते हुए अगस्त्य मुनि ने गणेश जी का स्मरण किया और संकट चतुर्थी व्रत को पूरा किया। तीन मास व्रत करने से गणेश जी प्रसन्न हो गए। गणेशजी ने मुनि का मार्ग प्रशस्त किया चौथ व्रत की कृपा से अगस्त्य मुनि ने प्रेम से समुद्र को पी कर सुखा दिया और पक्षी की प्रतिज्ञा को पूरा किया। प्रतिज्ञा पूरी होने से पक्षी भी खुश हुआ।

महाकुंभ के दौरान साठ करोड़ ने संगम में क्यों लगाई डुबकी

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान संगम में माघ पूर्णिमा के दिन जब मैं डुबकी लगा रहा था तो मेरे इर्द-गिर्द हजारों, लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों लोग स्नान कर अपने को पुण्यभागी मान रहे थे। अब तक कुल मिलाकर करीब साठ करोड़ लोग महाकुंभ स्नान कर चुके हैं। दो दिन तक प्रयागराज प्रवास और फिर लौटते हुए यही प्रश्न मन-मस्तिष्क में कौंध रहा है कि देश की आधी आबादी महाकुंभ में क्यों पहुंच गई है। आखिर साठ करोड़ लोगों ने कुंभ में डुबकी क्यों लगाई है? अपने आपसे यह प्रश्न पूछ रहा हूं और इसका जवाब हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं। जीवन के सत्तर बरसों में आज तक बहुत कम ऐसे प्रश्न खड़े हुए हैं, जिनका समुचित उत्तर पाने के लिए इतना सोचना पड़ रहा हो। कई बार अर्ध कुंभ एवं कुंभ दर्शन किए हैं पर 144 साल बाद आया महाकुंभ तो हैरत में डाल रहा है। सोच रहा हूं क्या महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन है? अपने ही अन्तर्मन से जवाब मिलता है-नहीं...नहीं... यह तो सनातन संस्कृति की अक्षुण्ण धारा, आस्था की शक्ति और मोक्ष की ओर बढ़ने का अद्भुत साधन है। यह हमारी उन परंपराओं का प्रतीक और प्रमाण है, जो सदियों की गुलामी और समय के थपेड़ों के बावजूद आज भी जीवित हैं। संसार में कई सभ्यताएं मिट गईं लेकिन भारतीय संस्कृति का अस्तित्व अपनी मूल आत्मा के साथ आज भी बरकरार है। यह महाकुंभ न केवल धार्मिक जागरूकता का प्रतीक है बल्कि भारतीय समाज की एकता, समरसता और आध्यात्मिक शक्ति का जीवंत उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। मैंने प्रयागराज में संगम पर विभिन्न प्रांतों से पधारे देशवासियों से चर्चा की। निष्कर्ष यह निकला कि उनके लिए महाकुंभ में स्नान केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशुद्धि और मोक्ष की यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण भी है। मेरे आसपास जैसे ही श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के महासंगम में डुबकी लगाई, उनके चेहरे के भावों से ऐसा लगा-जैसे उन्हें जीवन का सर्वोच्च आनंद प्राप्त हो गया हो। मैंने केरल, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, गुजरात और तमाम राज्यों से आए श्रद्धालओं को अपनी तकलीफें और जीवन की परेशानियां भूलकर एक नई ऊर्जा से भरते हुए देखा। मैंने उन्हें देख यह महसूस किया कि यही सनातन धर्म की शक्ति है जहां आस्था और विश्वास से हर कठिनाई छोटी लगने लगती है।

क्या महाकुंभ केवल एक उत्सव है, कुछ श्रद्धालुओं से पूछा तो वह बोले-महाकुंभ हमें आत्मचिंतन और आत्मबोध की प्रेरणा भी देता है। हम इसे मात्र तीर्थयात्रा नहीं मानते बल्कि इसे जीवन को बदलने वाली आध्यात्मिक यात्रा के रूप में अनुभव करते हैं। मुझे प्रयागराज में ऐसे संतों के दर्शन हुए जिन्हें कुछ भी नहीं चाहिए था और ऐसे सांसारिक लोग भी मिले जिन्हें बहुत कुछ पाने की चाह थी। कई लोग जीवन की आपाधापी से परेशान होकर मानसिक शांति की तलाश में आए थे तो कुछ लोग यात्रा के तमाम कष्ट उठा कर केवल इस दिव्य तीर्थ अनुभव का हिस्सा बनने के लिए पहुंचे हैं। हर तरफ अपार जन ज्वार देखकर एक बात समझ में आई कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति की जीवंतता, इसकी गहराई और व्यापकता का सबसे बड़ा प्रमाण है। महाकुंभ प्रेम, अपनत्व और 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को साकार करता है। प्रयागराज में हर कोई जाति, धर्म, वर्ग और सामाजिक स्थिति से ऊपर उठकर केवल श्रद्धालु बनकर ही आया है। महाकुंभ पर्व ने बता दिया है कि भारतीय संस्कृति की जड़ें कितनी गहरी और मजबूत हैं जो सफलता से खड़ी हैं। महाकुंभ राष्ट्र की मजबूती का प्रतीक भी बनकर उभरा है। इसमें समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हुए हैं। एक आम श्रद्धालु से लेकर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक। महाकुंभ में न जाति का भेद दिखता है, न ऊंच-नीच का अंतर। हर व्यक्ति चाहे वह किसी भी धर्म, समाज या वर्ग से हो, समान भाव से महासंगम में स्नान कर रहा है। इस प्रकार महाकुंभ ने हमारे समाज की एकता और भाईचारे का सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसमें देश के व्यावसायियों, उद्योगपतियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने केन्द्र व राज्य सरकार, संतों और अखाड़ों के साथ कदम से कदम मिलाकर सुविधाओं का विस्तार करके नए आयाम स्थापित किए हैं। यूपी सरकार के अनुसार इस महा आयोजन से रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं और लगभग तीन लाख करोड़ का राजस्व उत्पन्न होने का अनुमान है। बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने अपनी श्रद्धा से करोड़ों रुपये खर्च कर भंडारे और सेवा शिविर लगाएं हैं, जिससे लाखों लोगों को भोजन और आवश्यक सुविधाएं मिली हैं।

प्रेग्नेंसी के समय और उसके पहले लगवाएं वैक्सीन

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं की शारीरिक और मानसिक सेहत में कई बदलाव होते हैं। इन बदलावों के कारण उन्हें कई बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। मां की सेहत का असर गर्भ में पल रहे बच्चे पर भी पड़ता है। 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड ह्यूमन डेवलपमेंट' के मुताबिक, प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, इन्फेक्शन और डिप्रेशन का जोखिम कई गुना ज्यादा होता है। प्रेग्नेंसी के दौरान मां और बच्चे को इन्फेक्शन से बचाने के लिए और हॉर्मोनल संतुलन बनाए रखने के लिए कुछ वैक्सीन दी जाती हैं। कुछ वैक्सीन प्रेग्नेंसी से पहले और बाद में भी दी जाती हैं। ये वैक्सीन सुरक्षित और हेल्दी प्रेग्नेंसी, लेबर और फिर पोस्टपार्टम रिकवरी में मदद करती हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान महिला के शरीर में हर दिन नए बदलाव होते हैं। ज्यादातर शारीरिक बदलाव देखे जा सकते हैं। ये बदलाव प्राकृतिक रूप से महिला को बच्चे के जन्म के लिए तैयार कर रहे होते हैं। हालांकि, इम्यून सिस्टम और ब्रेन फंक्शनिंग से जुड़े बदलाव दिखते नहीं है। इसके बावजूद बीमारियों का कारण बन सकते हैं। सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, प्रेग्नेंट महिलाएं अपने बच्चों से हर चीज शेयर करती हैं। मसलन मां के शरीर में ही बच्चे का शरीर पनपता है। इसका मतलब है कि अगर मां बीमार पड़ेगी तो इसका असर बच्चे की सेहत पर भी होगा। अगर मां का वैक्सीनेशन होगा तो यह न केवल महिला की रक्षा करेगा, बल्कि उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को भी प्रारंभिक सुरक्षा मिलेगी। गर्भ में बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य के लिए मां का पहले से स्वस्थ होना जरूरी है। इसलिए प्रेग्नेंसी से पहले महिला की इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए वैक्सीन दी जाती है। प्रेग्नेंसी के दौरान ऐसी वैक्सीन दी जाती है, जिनसे मां और बच्चे दोनों को सुरक्षा मिल सके। जबकि प्रेग्नेंसी के बाद मां को ज्यादातर ऐसी वैक्सीन

दी जाती है, जो प्रेग्नेंसी के दौरान नहीं दी जा सकी है। कंसीव करने से पहले महिलाओं को और उनकी फैमिली को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली समस्याओं से बचने के लिए जरूरी वैक्सीन लगवा रखी हैं। ये वैक्सीन तब सबसे ज्यादा प्रभावी होती हैं, जब इन्हें प्रेग्नेंसी से एक महीने पहले ही लगवाया गया हो। यह वैक्सीन मीजल्स, मंप्स और रुबेला से बचाती है। रूबेला एक वायरल संक्रमण है, जिसके कारण सीवियर बर्थ डिफेक्ट्स, जैसे हार्ट संबंधी समस्याएं, हियरिंग लॉस और विकास संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। जिन महिलाओं ने रूबेला वैक्सीन नहीं ली है, उन्हें गर्भधारण करने से कम-से-कम एक महीने पहले स्न्क्र(मीजल्स, मंप्स, रूबेला) वैक्सीन लगवानी चाहिए। ब्लड टेस्ट से यह पता लगाया जा सकता है कि कोई रूबेला से प्रतिरक्षित है या उसे वैक्सीन की जरूरत है। गर्भावस्था से पहले टीका लगवाने से शिशु के लिए सर्वोत्तम सुरक्षा सुनिश्चित होती है। प्रेग्नेंसी के दौरान चिकनपॉक्स खतरनाक हो सकता है, जिससे बच्चे में जन्म दोष या जन्म के समय वजन कम हो सकता है। जिन महिलाओं को कभी चिकनपॉक्स नहीं हुआ है या इसकी वैक्सीन नहीं लगाई गई है, उन्हें गर्भावस्था से पहले वैरिसेला वैक्सीन लगवानी चाहिए। यह टीका गर्भधारण से कम-से-कम एक महीने पहले दिए जाने पर सबसे ज्यादा प्रभावी होता है। जिन महिलाओं को पिछले 10 वर्षों के भीतर ज्ञष्ठड्डश्च वैक्सीन नहीं लगाई गई है, उन्हें गर्भावस्था से पहले यह वैक्सीन लगवानी चाहिए। ज्ञस्त्रड्डश्च वैक्सीन काली खांसी (पर्टुसिस) से बचाती है, जो नवजात शिशुओं के लिए लाइफ थ्रेटनिंग हो सकता है। मां-बच्चे की सुरक्षा के लिए प्रेग्नेंसी से पहले वैक्सीन लगवानी चाहिए। 'ऑफिस ऑन रिसर्च ऑफ वुमन हेल्थ' के मुताबिक, हेपेटाइटिस क्च से पीड़ित मां से पैदा हुए बच्चे को जन्म के समय वायरस से संक्रमित होने का सबसे अधिक जोखिम होता है। इसलिए हेपेटाइटिस बी के टेस्ट और वैक्सीन के बारे में डॉक्टर से जरूर कंसल्ट करें। प्रेग्नेंसी के दौरान मां और बच्चे दोनों की सुरक्षा के लिए कुछ वैक्सीन जरूरी होती हैं। ये वैक्सीन आमतौर पर प्रेग्नेंसी की दूसरी या तीसरी तिमाही के दौरान दी जाती हैं। ऐसा इसलिए ताकि मां अपने बच्चे को प्लेसेंटा के जरिए ज्यादा एंटीबॉडी पास कर पाए। प्लेसेंटा मां और गर्भ में पल रहे बच्चे के बीच ऐसी ट्यूब है, जिससे बच्चे के विकास के लिए गर्भ को ऑक्सीजन और न्यूट्रिशन मिलता है। गर्भावस्था के दौरान 27 से 36 हफ्ते के बीच टीडेप वैक्सीन दी जा सकती है। यह बच्चों को काली खांसी यानी पर्टुसिस से बचाती है। यह नवजात शिशुओं के लिए घातक हो सकती है। टीडेप वैक्सीन से मिली एंटीबॉडीज प्लेसेंटा से होकर बच्चे तक पहुंचती हैं। इससे बच्चे को जीवन के शुरुआती महीनों के लिए सुरक्षा मिलती है। बच्चों के लिए शुरुआती दिन बेहद नाजुक होते हैं। इसलिए अगर अगर मां पहले ही टीडेप वैक्सीन लगवा चुकी है तो गर्भावस्था के दौरान भी एक शॉट लेना चाहिए। प्रेग्नेंसी के दौरान फ्लू होने से निमोनिया और समय से पहले डिलीवरी जैसे कॉम्प्लिकेशन का जोखिम अधिक होता है। इसलिए फ्लू के मौसम में (अक्टूबर से अप्रैल) इसकी वैक्सीन लगवाने से मां और बच्चे, दोनों की सुरक्षा पक्की हो सकती है। फ्लू की वैक्सीन प्रेग्नेंसी के दौरान सुरक्षित होती है और प्लेसेंटा के जरिए बच्चे तक पहुंच जाती है। ये जन्म के बाद भी बच्चे को फ्लू से सेफ रखती है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के मुताबिक, फ्लू के मौसम में सभी गर्भवती महिलाओं को इसकी वैक्सीन लगवानी चाहिए। आमतौर पर डिलीवरी के बाद ज्यादातर लोगों का फोकस बच्चे की सेहत पर होता है।

जनमार्ग सिटी न्यूज

JANMARG news

श्रीगंगानगर, मंगलवार, 18 फरवरी 2025

खान विभाग ने 7513 करोड़ का राजस्व संग्रहित किया

❑ पुरानी, एमनेस्टी व अन्य बकाया वसूली पर फोकस के निर्देश ❑ जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति की प्रतिमाह बैठक सुनिश्चित कराएं

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने बताया कि विभाग द्वारा गत वर्ष की तुलना में 23 फीसदी विकास दर के साथ 16 फरवरी तक 7513 करोड़ रु. से अधिक का राजस्व संग्रहित कर वित्तीय वर्ष 2023-24 की तुलना में अधिक राजस्व संग्रहित कर लिया है पर हमें यहीं तक सीमित नहीं रहकर चालू व पुरानी बकाया राशि के साथ ही एमनेस्टी, अवैध खनन गतिविधियों में लगाई गई शास्ति सहित विभिन्न कारणों से बकाया राशि की वसूली के ठोस प्रयास करने होंगे। कोर्ट केस के नाम पर स्टे नहीं होने वाली बकाया वसूली के लिए सख्ती से प्रयास के साथ ही न्यायालयों से स्टे प्राप्त प्रकरणों में विभागीय पक्ष को प्रभावी तरीके से रखते हुए स्टे निरस्त कराकर वसूली के प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि खान विभाग सरकार का राजस्व अर्जित करने वाला प्रमुख विभाग है।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त सोमवार को खनिज भवन में खान एवं भूविज्ञान विभाग के फील्ड अधिकारियों से वर्चुअली संवाद कायम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजकीय बकाया राशि की वसूली में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लक्ष्यों के विरुद्ध शतप्रतिशत वसूली करने के साथ ही वसूली के प्रयास परिलक्षित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति तक अन्य गतिविधियों के साथ ही विभागीय अधिकारियों का फोकस अधिक से अधिक राजस्व संग्रहित करने पर होगा।

टी. रविकान्त ने अधिकारियों को बकाया एसेसमेंट कार्य को प्राथमिकता से निपटने के निर्देश दिये। उन्होंने विधान सभा प्रश्नों, ध्यानाकर्षन, विशेष उल्लेख आदि के समय पर जबाव भिजवाने, एमओयू करने वाली संस्थाओं से समन्वय करने, जिला कलक्टर की अध्यक्षता में नवगठित समितियों की प्रतिमाह बैठके आयोजित कराकर स्थानीय स्तर पर माइनिंग से जुड़ी समस्याओं के समाधान कराने आदि के निर्देश दिए।

निदेशक माइंस दीपक तंवर ने कहा कि मुख्यालय स्तर पर मोनेटरिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी करते हुए आवश्यक दिशा - निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्लोजिंग एरर, रॉयल्टी एसेसमेंट आदि के लिए एक सप्ताह से पन्द्रह दिन में आवश्यक कार्रवाई कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। संयुक्त सचिव माइंस श्रीमती आशु चौधरी ने विधान सभा प्रकरणों के जबाव देने में प्राथमिकता के साथ ही सरकार द्वारा चाही गई सूचना शीघ्र भेजने को कहा।

वर्चुअल बैठक में अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर, एसएमई विजिलेंस जयपुर प्रताप मीणा, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी सचिवालय सुनील वर्मा, जेएलआर श्री गजेन्द्र सिंह ने हिस्सा लिया वहीं अतिरिक्त निदेशक पीआर आमेटा, श्री एमपी मीणा, एसएमई श्री एनएस शक्तावत, श्री ओपी काबरा, जय गुरुबख्सानी, सुनील शर्मा, श्री अविनाश कुलदीप, श्री एनके वैरवा, श्री अनिल खमेसरा, एमई श्याम कापड़ी, भगवान सिंह, प्रवीण अग्रवाल, श्री महेश शर्मा आदि ने विस्तार से प्रगति जानकारी दी।

फाइनेंस कंपनियों की मनमानी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

3 मार्च को जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। आवास फाइनेंस कंपनियों द्वारा लोगों को बेवजह परेशान करने और गैर-कानूनी रूप से कार्रवाई करने के विरोध में सोमवार को फाइनेंस कंपनी के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान लोगों ने नारेबाजी कर सांकेतिक धरना दिया और प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की। करीब चार दिन पहले हरिपुरा गांव में बिना किसी नोटिस और मजिस्ट्रेट की नियुक्ति के पुलिस और फाइनेंस कंपनी के लोगों ने मिलकर अभद्रता की। आरोप है कि इस दौरान महिलाओं और लड़कियों के साथ धक्का-मुक्की भी की गई। इस घटना से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और सोमवार को विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में कोई भी इस तरह की गैर-कानूनी कार्रवाई करने आएगा तो उसका क?ा प्रतिरोध किया जाएगा। धरना स्थल पर किसान नेता मंगेज चौधरी, रघुवीर वर्मा, मोहन लोहरा, वेद मक्कासर, बसंत सिंह, गोपाल बिश्नोई, मनीराम मेघवाल, एडवोकेट ऋतिकरण कस्बा रिशपाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और पीड़ित परिवार उपस्थित रहे। इस दौरान घोषणा की गई कि 3 मार्च को जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि फाइनेंस कंपनियों द्वारा आम लोगों के साथ गुंडागर्दी की जा रही है।

कृषि जिंस खरीद के लिए पर्याप्त इंतजाम करें

❑ गड़बड़ी करने वाली सोसायटी एवं ठेकेदारों के विरूद्ध करें कठोर कार्रवाईः सहकारिता मंत्री

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम कुमार दक ने कहा कि किसान सुगमतापूर्वक अपनी उपज का समर्थन मूल्य पर विक्रय कर पाएं इसके लिए पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि खरीद केन्द्रों पर जिंसों की गुणवत्ता मापदण्डों की समुचित पालना सुनिश्चित होनी चाहिए।

दक सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में राजस्थान राज्य क्रय.विक्रय सहकारी संघ ;राजफैडद्ध की समीक्षा बैठक में राजफैड अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि खरीद के लिए फरवरी माह के अंत तक प्रत्येक सोसायटी का टेण्डर अनिवार्य रूप से सम्पन्न किया जाए। टेण्डर प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शितापूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में खरीद केन्द्र खोले जाने के निर्देश दिए। दक ने कहा कि खरीद केन्द्रों की आवश्यकता का पूर्व में ही समीक्षा व आकलन कर पर्याप्त मात्रा में बारदाना का इंतजाम लिया जाए। सहकारिता मंत्री ने कहा कि खरीद केन्द्रों पर मॉनिटरिंग टीम तैनात होनी चाहिएए ताकि सैम्पलिंग के नाम पर ठेकेदार या सोसायटी की मनमानी नहीं हो। उन्होंने निर्देश दिए कि खरीद केन्द्रों पर आवश्यक रूप से विक्रेता किसानों की वीडियोग्राफी करवाई जाए। दक ने गड़बड़ी करने वाली सोसायटी एवं ठेकेदारों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें ब्लैक लिस्ट करने व पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन केन्द्रों पर पूर्व में गड़बड़ी सामने आई हैए उन्हें खरीद की अनुमति नहीं देने पर भी विचार किया जाए। दक ने कहा कि भारत सरकार द्वारा 90 दिवस में खरीद की अनुमति प्रदान की जाती हैए लेकिन प्रयास हो कि इसे कम समय में ही पूरा कर लिया जाए। उन्होंने किसानों को उनकी उपज विक्रय का समय पर भुगतान करने एवं नैफेड से भुगतान की प्रक्रिया समय पर सम्पन्न करवाये जाने के भी निर्देश दिए। दक ने राजफैड के पास उपलब्ध जमीन का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करनेए गैस एजेंसी का समुचित रूप से संचालन करनेए विधानसभा प्रश्नों का समय पर और समुचित जवाब देने और लम्बित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के संबंध में भी दिशा.निर्देश दिए।

बैठक में सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रारए सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपालए राजफैड के प्रबंध निदेशक टीकम चन्द बोहरा एवं संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड़ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पट्टा वितरण व प्रशासन आपके द्वार अभियान चलाने की मांग की

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भाजपा अल्संख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनवर अली खान ने एडीएम सिटी के मा?र्त मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पट्टा वितरण व प्रशासन आपके द्वार अभियान चलाने हेतु ज्ञापन दिया। अनवर अली खान ने बताया कि श्री गंगानगर में विगत कुछ समय से पट्टा बनाने व वितरण का कार्य रुका हुआ है। जिस वजह से आमजन को कई मुश्किलों व असुविधा का सामना कर पड़ रहा हैं। अनवर अली खान ने ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री से मांग करते हुए पट्टा व प्रशासन आपके द्वार अभियान शुरू करने की माँग की। जिससे आमजन को उनके प्रॉपर्टी का मालिकाना हक मिल सके व आमजन को तमाम तरह की सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर राजेश बत्तरा, जावेद खान व मोर्चे के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राष्ट्रीय युवक परिषद की एक विशेष बैठक

हनुमानगढ़ जंक्शन `(जनमार्ग न्यूज)। सोमवार को राष्ट्रीय युवक परिषद की एक विशेष बैठक जंक्शन जिलाध्यक्ष प्रवीण जैन की अध्यक्षता में हुई जिसमें युवक परिषद के गण मान्य सदस्य उपस्थित रहे, बैठक में मासिक कार्यक्रमों की चर्चा हुई उसके पश्चात पक्का भादवा के समाजसेवी रणजीत भादू को पक्का भादवा ग्रामीण क्षेत्र का अध्यक्ष मनोनीत किया गया । इस मौके पर सभी सदस्यों ने रणजीत भादू का माला पहनकर व मिठाई खिलाकर बधाई दी । इस मौके पर रणजीत भादू ने कहा है कि राष्ट्रीय युवक परिषद ने जो मुझे जिम्मेदारी सौंपी है उसका पूर्णतया निष्ठा एवं लगन से निर्वहन करूंगा व जल्दी ही पक्का भादवा की कार्यकारिणी घोषित कर आमजन की सेवा करेंगे ।

हिंदुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइडस की जिला कार्यकारिणी की वार्षिक बैठक का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। हिंदुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइडस राज्य मुख्यालय के वार्षिक कलैण्डर अनुसार श्रीगंगानगर जिले की जिला कार्यकारिणी की एक दिवसीय बैठक का आयोजन जिला मुख्यालय पर किया गया. इस बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट सुमेश शर्मा ने की. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला आयुक्त अरविन्द्र सिंह शामिल हुए। इस दौरान जिला प्रशिक्षण आयुक्त साहब राम छिम्पा ने गत वित्तिय वर्ष में किये गये प्रशिक्षण शिविरों एवं प्रशासन के सहयोग कार्यों के बारे में बताया जिसमें मुख्य रूप से कोमल पद, ध्रुव पद, टोली नायक शिविर, सड़क सुरक्षा सप्ताह, स्वतन्त्रता दिवस व गणतन्त्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम, एक पे? माँ के नाम अभियान इत्यादि है। जिला कोषाध्यक्ष सुनील कुमार दागड़ी ने गत वर्ष का आय व्यय का लेखा प्रस्तुत किया. जिला उपाध्यक्ष (स्काउट) राकेश कुमार बंसल ने बताया कि वर्तमान विधायक और जिलाध्यक्ष जयदीप बिहाणी द्वारा विधायक कोटे से एक हाल व शौचालय एवं स्नानघर बनाने की स्वीकृति जारी की गई है.

सुमेश शर्मा ने कहाँ की उक्त कार्यो की अनुशंसा विधायक जी द्वारा की जा चुकी है जल्द ही इसकी वितीय स्वीकृति जारी हो जाने की सम्भावना है। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द्र सिंह ने जिले के प्रत्येक विधालय में स्काउटिंग गतिविधियो में तेजी लाने के लिए सामूहिक प्रयास की बात कही। डी.ओं. मीनू रानी ने सभी आयुक्तों का आभार व्यक्त किया. बैठक में जिला ट्रेनर राजकुमार, रोवर सचिन, पंकज, मदन, प्रिन्स, सुमित आदि उपस्थित रहे।

प्लैटिनम जयंती कार्यक्रमों का सुंदरकांड पाठ से आगाज

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। श्री सनातन धर्म बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्रीगंगानगर में प्लैटिनम जयंती (75 वर्ष) कार्यक्रमों का सुंदरकांड पाठ से आगाज हुआ। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत संस्था निदेशक श्रीमती कमलेश कटारिया द्वारा बालाजी महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष श्यामलाल कांडा, कोषाध्यक्ष परमानन्द जिंदल सहित अनेक पदाधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे तथा सामूहिक रूप से श्रद्धापूर्वक सुंदरकांड का पाठ किया गया। इस मौके पर बालाजी महाराज से सबके लिए सुख-समृद्धि तथा बोर्ड परीक्षाओं में छात्र-छात्राओं के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम की कामना की गई। आरती के उपरांत सबको प्रसाद वितरण किया गया। तत्पश्चात् कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद की थीम पर विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रान्तों के लोक नृत्य प्रस्तुत कर अदभुत समां बांधा तथा मनमोहक प्रस्तुतियों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ-साथ विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें केट वॉक प्रतियोगिता में सुछवि ने प्रथम, राशि चौहान ने द्वितीय तथा कोमल कंवर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में निदेशक महोदया ने अपने सम्बोधन में संस्था स्थापना के सफलतापूर्वक 75 वर्ष पूर्ण होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि शुरू से ही अनुशासन, नैतिकता एवं संस्कार को सर्वोच्च महत्व देने के कारण आज संस्था सफलता के नये आयाम स्थापित कर रही है।

कन्या महाविद्यालय का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

सूरतगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। माता जीतो जी कन्या महाविद्यालय सूरतगढ़ का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 2024-25 आज महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि सांसद श्री कुलदीप इंदौरा एवं विशिष्ट अतिथि विधायक श्री डूंगराराम गेदर रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। संस्था के व्यवस्थापक श्री हरनेक सिंह गिल द्वारा सांसद श्री कुलदीप इंदौरा का एवं अध्यक्ष श्री शरणपाल सिंह मान द्वारा विधायक श्री डूंगराराम जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। श्री हरनेक सिंह गिल द्वारा 2004 से अब तक संस्था की प्रगति एवं उसके विकास के लिए किए गए सहयोग के लिए सभी का आभार प्रकट किया। सांसद श्री कुलदीप इंदौरा ने कन्या महाविद्यालय के लिए 2 कमरों के निर्माण का सहयोग करने की घोषणा की एवं भविष्य में हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। विधायक श्री डूंगराराम जी ने कन्या शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक सुधार पर बल दिया। संस्था के पिछले वर्ष में विश्वविद्यालय की परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही सह-शैक्षणिक व खेलकूद प्रतियोगिताओं में छात्राओं द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उन्हें पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया तथा स्काउट गाइड की रेंजर टीम जो कि राज्य पुरस्कार के लिए चयनित हुई, उन्हें प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। । इस अवसर पर शहर के सभी प्रतिष्ठित एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मंच संचालन व्याख्याता श्रीमती डा.नीलम शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य श्रीमति डा. मोहिनी दहिया द्वारा सभी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

विवाहिता बच्चे सहित हुई लापता

चूनावढ़। कस्बे के वार्ड नंबर 11 की पूजा रानी मोर 24 साल पत्नी हरिराम नायक जो की रविवार को घर से दुकान पर सामान लेने का कहकर गई थी जो वापस घर नहीं आई परिजनों ने उसके पीहर सहित कई जगहों पर पड़ताल की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। सोमवार को उसके घर वाला हरिराम ने पुलिस थाना में गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज करवाया है उसने गांव के ही एक युवक पर आशंका जताई है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेलो इंडिया स्कीम के तहत वॉलीबॉल के ट्रायल 20 को

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्री गुरु नानक गर्ल्स सी. सै. स्कूल, श्रीगंगानगर में खेलो इंडिया स्कीम के तहत वॉलीबॉल के ट्रायल रखे गए हैं। विद्यालय प्रधानाचार्या श्रीमती मोनिका बिश्नोई ने जानकारी देते हुए बताया कि इसमें 12 वर्ष से 18 वर्ष आयुवर्ग की छात्राएं भाग ले सकती हैं। यह ट्रायल विद्यालय के खेल मैदान में दिनांक 20 फरवरी (वृहस्पतिवार) को प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रखे गए हैं।

विधायक बेनिवाल से मिले पेंशनर्स

❑ 25 पेंशनर्स की 4 माह से रूकी है पेंशन

श्रीगंगानगर। पेंशन के भुगतान को लेकर पेंशनर्स कल्याण समिति का शिष्टमंडल भादरा विधायक संजीव कुमार बेनिवाल से मिला। समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में 25 पेंशनर्स को पिछले 4 महिने से पेंशन का भुगतान नही हुआ है। पेंशनर्स के इस ग्रुप में महिलाएँ, विधवा, असाध्य बीमारियों से पीड़ित 80 साल तक के बजुर्ग व्यक्ति शामिल है, जिन्होने अपनी जमा पूँजी विश्वविद्यालय में इस आशा से जमा करवाई थी कि उन्हे नियमित पेंशन मिलती रहे। सभी गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे है। 27 सितम्बर को हुई प्रबन्ध मण्डल की बैठक में पारित प्रस्ताव में दिनांक 01.01.2004 से पूर्व के कार्मिकों/सेवानिवृत्त कार्मिकों के लिए सीपीएफ/ईपीएफ के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना लागू की गई थी। पुरानी पेशन योजना का विकल्प अपनाने वाले विश्वविद्यालय के कार्मिको द्वारा नियोक्ता अंशदान मय ब्याज की राशि पेशन निधि में जमा करवाने के पश्चात् अप्रेल 2023 से सितंबर 2024 तक पेंशन का भुगतान किया गया। इसके बाद अकटूबर से अभी तक पेंशन का भुगतान नहीं किया गया है। जबकि राजस्थान के शेष चार कृषि विश्वविद्यालयों में 2023 में सीपीएस से ओपीएस विकल्प अपनाने वाले पेंशनर्स को नियमित रूप से पेंशन का भुगतान हो रहा है। समिति अध्यक्ष डॉ. बीएस यादव ने बताया कि विधायक संजीव बेनीवाल ने पेंशनर्स कल्याण समिति के पदाधिकारियों को जल्द ही पेंशन का भुगतान करवाए जाने का आश्वासन दिया है।

अपने आपको अंडर-एस्टिमेट करना या कहें कमतर आंकने का मतलब है, आपमें सेल्फ-एस्टीम की कमी है। इसका असर आपकी पर्सनल लाइफ में आपके रिश्तों पर, प्रोफेशनल लाइफ में आपकी प्रोग्रेस पर और मेंटल हेल्थ पर भी पड़ता है। मेंटल हेल्थ बिगड़ने से तो जीवन में दूसरी बहुत-सी रुकावटें, समस्याएं जन्म लेती हैं। आप कैसे पहचानें कि लो सेल्फ एस्टीम की शिकार हैं, इससे कैसे जल्द से जल्द उबर कर आप अपना स्वस्थ, सफल और सुखी जीवन जिएं। आपके लिए बहुत ही जरूरी सलाह।

कहीं आप सेल्फ-एस्टीम की कमी के शिकार तो नहीं

क्या आप खुद को नापसंद करती हैं, दूसरों से कम समझती हैं, हमेशा किसी न किसी बात के लिए खुद को कोसती रहती हैं, अपने आप पर विश्वास नहीं करतीं, खुलकर अपनी तारीफ स्वीकार नहीं कर पातीं, हर गलत बात के लिए अपने आपको दोषी ठहराती हैं, आपको कोई भी काम ठीक से न कर पाने की चिंता सताती रहती है? अगर ऐसा है तो ये बातें यह दर्शाती हैं कि आप खुद को कम समझती हैं, आपमें सेल्फ-एस्टीम यानी आत्म-सम्मान की कमी है।

क्या है सेल्फ-एस्टीम

सेल्फ-एस्टीम या आत्म-सम्मान ऐसी भावना है, जो किसी भी व्यक्ति को उसकी अहमियत का अहसास कराती है। जब हम खुद को समझते हैं, अपनी खूबियों को पहचानते हैं, तब हम खुद को वैल्यू देते हैं। खुद को समझकर और वैल्यू देकर जीवन की चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर पाते हैं। एक कामयाब इंसान बनते हैं।

जीवन में सेल्फ-एस्टीम का होता है बहुत महत्व

किसी भी व्यक्ति में सेल्फ-एस्टीम का होना या न होना, उसकी मेंटल हेल्थ, रिलेशनशिप और प्रोफेशनल ग्रोथ पर गहरा असर डालता है। जिन लोगों में लो सेल्फ-एस्टीम होता है, वे अपनी असफलताओं पर अधिक ध्यान देते हैं और अपनी सफलताओं को नजर-अंदाज करते हैं। इससे उनमें डिप्रेशन और एंग्जाइटी की प्रॉब्लम हो सकती है। सेल्फ-एस्टीम मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाती है। तनाव दूर करती है। जिन लोगों में सेल्फ-एस्टीम होता है, वे किसी से बात करने और उनकी मदद लेने में सहज होते हैं। लो सेल्फ-एस्टीम होने पर वे समाज से कट सकते हैं, जबकि बेहतर सेल्फ-एस्टीम की वजह से वे खुलकर अपनी बात कहते हुए मजबूत रिश्ते बना सकते हैं।

लो सेल्फ-एस्टीम के नुकसान

सेल्फ-एस्टीम की कमी होने के कारण व्यक्ति अपने किसी भी काम को लेकर कॉन्फिडेंट नहीं होता है। उसके लिए अपनी जिंदगी के बड़े फैसले लेने में मुश्किलें आती हैं। ऐसे लोग खुद को किसी लायक नहीं मानते, इसी कारण अपनी स्किल्स पर भी काम नहीं कर पाते हैं। कई बार तो कुछ लोगों को यह पता ही नहीं चल पाता कि उनमें सेल्फ-एस्टीम की कमी हो रही है।

सेल्फ-एस्टीम की कमी के लक्षण

सेल्फ-एस्टीम के लाभ और लो सेल्फ-एस्टीम के नुकसान को जानने के बाद यह जानना भी जरूरी है कि सेल्फ-एस्टीम की कमी होने पर कौन-कौन से लक्षण दिखाई देते हैं।

खुद को लेकर नेगेटिव रहना: जिन लोगों में सेल्फ-एस्टीम की कमी होती है, ऐसे लोग ज्यादातर खुद को लेकर नेगेटिव ही रहते हैं। ऐसे लोग खुद को हमेशा किसी न किसी चीज के लिए कोसते रहते हैं। इन्हें हमेशा डर लगा रहता है कि इनकी लाइफ में कुछ भी बेहतर नहीं होता है। ऐसे व्यक्ति अपनी जिंदगी को ज्यादा मुश्किल बना लेते हैं, अपना कॉन्फिडेंस खोने लगते हैं।

कॉन्फिडेंस की कमी होना: सेल्फ-एस्टीम की कमी के कारण लोग अपना आत्म-सम्मान खोने लगते हैं। उनके लिए अपने जीवन के छोटे-बड़े फैसले कर पाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे व्यक्ति दूसरों पर निर्भर रहने लगते हैं और कोई भी काम खुद करने की कोशिश नहीं करते हैं।

तारीफ स्वीकार न कर पाना: सेल्फ-एस्टीम की कमी वाले लोग हमेशा खुद को दूसरों से कम ही समझते हैं। ऐसे में अगर कोई उनकी तारीफ भी करता है, तो उन्हें लगता है कि तारीफ करने वाला उनकी चापलूसी कर रहा है, वे उस तरह के लायक नहीं है और ऐसे लोगों के लिए अपनी तारीफ स्वीकार कर पाना काफी मुश्किल हो जाता है।

दूसरों को इंप्रेस करते रहना: दूसरों की किसी क्वालिटी या काम की तारीफ करना अच्छी बात है। लेकिन दूसरों को इंप्रेस करने की कोशिश में सामने वाले की हर बात की तारीफ करना भी सेल्फ-एस्टीम की कमी की ओर इशारा करता है। ऐसे में व्यक्ति दूसरों को खुद से बेहतर दिखा रहा होता है और न चाहते हुए भी खुद को दूसरों से कम मानने लगता है। ऐसे में व्यक्ति अपनी तुलना हमेशा दूसरों से करता रहता है, जो उसका कॉन्फिडेंस कम होने का कारण भी बन सकता है। सेल्फ-एस्टीम की कमी होने से मानसिक स्वास्थ्य और आपसी रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। धीरे-धीरे आप अपने सेल्फ-एस्टीम को बढ़ा सकती हैं। छोटे-छोटे बदलाव और कुछ आसान कदमों से आप फिर से सेल्फ-एस्टीम की भावना महसूस कर सकती हैं।

सेल्फ-एस्टीम बढ़ाने के उपाय

लंबे समय तक लो सेल्फ-एस्टीम का शिकार होना मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है, इससे जल्द से जल्द उबरना चाहिए। अपना सेल्फ-एस्टीम बढ़ाने के लिए क्या उपाय अपनाएं, जानें-

खुद को दें शाबाशी: अपनी हर छोटी और बड़ी कामयाबी के लिए खुद को शाबाशी दें, क्योंकि जब तक आप अपनी वैल्यू नहीं करेंगी तब तक दूसरे भी आपको वैल्यू नहीं कर पाएंगे।

निर्धारित करें अपनी सीमाएं: अपनी सीमाएं जरूर निर्धारित करके रखें क्योंकि अगर आपकी अपनी कोई सीमा नहीं होगी, तो लोग आपका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

खुद को बेहतर बनाएं: अपनी स्किल्स पर काम करना शुरू करें और खुद को बेहतर बनाएं। इससे आपमें कॉन्फिडेंस और आत्म-सम्मान की भावना बढ़ेगी। हर रोज थोड़ा-थोड़ा खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करें, यह चीज आपको आत्म-सम्मान बढ़ाने में मदद कर सकती है। इसलिए खुद पर काम करना शुरू करें।

खुद को कभी कमतर न आंकें: खुद से यह कभी न कहें कि मैं कुछ नहीं कर सकती हूं। ऐसा करके आप अपने रास्ते में खुद ही रुकावट डालेंगी। आप खुद को जितना कमतर समझेंगी, आगे बढ़ने में आपको उतनी ही मुश्किल होगी।

स्वास्थ्य का रखें ध्यान: अगर आप खुद को महत्वपूर्ण समझती हैं, तो अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें। हेल्दी डाइट लें, सही नींद और मानसिक शांति आपके आत्म-सम्मान को बढ़ाता है। इसके लिए रेग्युलर मेडिटेशन और एक्सरसाइज करें।

अपनी छोटी-छोटी सफलताओं को दें महत्व: अपनी छोटी-छोटी सफलताओं पर ध्यान दें, जैसे, अपने जिम रूटीन को पूरा करना या किसी मुश्किल प्रोजेक्ट को समय पर खत्म करना।

निरंतर सीखते रहें: यह जरूरी नहीं कि आपको सब कुछ परफेक्ट या सही तरीके से करना आता हो। इसलिए किसी भी चीज को सीखना सबसे महत्वपूर्ण है, फिर चाहे वह आपकी नौकरी से संबंधित हो या आपके शौक से जुड़ा हुआ कुछ हो।

छोटे और साधारण लक्ष्य बनाएं: बड़ी उम्मीद पालने की बजाय छोटे और साधारण लक्ष्य बनाएं। हर छोटे लक्ष्य की सफलता आपको आत्म-विश्वास और ऊर्जा देगी।

बच्चों के एग्जाम की तैयारी करवाना पैरेंट्स के लिए भी कम स्ट्रेसफुल नहीं होता है। लेकिन ऐसे में आपको ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए, जिससे बच्चे की टेंशन और बढ़े। एग्जाम की तैयारी करवाते समय किन बातों का ध्यान पैरेंट्स रखें, आपके लिए बहुत जरूरी सलाह।

जब करवाएं बच्चे की एग्जाम प्रिपरेशन

मीनल अपने नौ वर्षीय बेटे अंशुल को बुरी तरह डांट रही थी। तभी वहां आई पड़ोस में रहने वाली उसकी सहेली आभा ने पूछा, 'क्या हुआ मीनल, इसने कोई शैतानी की है क्या?'

मीनल ने कहा, 'नहीं आभा, मैं तो इसके पढ़ने के तरीके से परेशान हूं। एग्जाम नजदीक हैं, सब बच्चे बोल-बोलकर पढ़ते हैं, याद करते हैं। एक यह है कि पता नहीं चुपचाप क्या करता रहता है? कभी बोलकर पढ़ता ही नहीं।'

इस पर आभा ने समझाते हुए कहा, 'मीनल हर बच्चे का पढ़ने और याद करने का अपना तरीका होता है। इसे डांटो मत। वह चुपचाप इंपॉर्टेंट प्वाइंट्स को अपनी सुविधा के लिए अंडरलाइन कर रहा होगा और कॉपी में समरी के रूप में बुलेट प्वाइंट बनाता होगा।' तब मीनल को अपनी गलती का अहसास हुआ।

बिना वजह डांटने से बचें: एग्जाम नजदीक आते ही पैरेंट्स अपने बच्चों को उसकी तैयारी करवाने के लिए कमर कसकर जुट जाते हैं। इस प्रेशर में कई पैरेंट्स अपने बच्चों पर न सिर्फ अनावश्यक पाबंदियां लगा देते हैं बल्कि उन्हें बेमतलब डांटते-फटकारते भी हैं। इससे बच्चा टेंशन में आ जाता है। नतीजतन पढ़ाई में उसका मन नहीं लगता। पैरेंट्स को यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके बच्चे का लर्निंग स्टाइल क्या है, उसके अनुसार ही उसे गाइडेंस दें।

टाइम मैनेजमेंट में हेल्प करें: अपने बच्चे को परीक्षा की तैयारी में मदद करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप उसे टाइम टेबल बनाने के लिए एनकरेज करें। इससे न केवल उसके पास अपने सभी विषयों को पूरी तरह से कवर करने का समय होगा, बल्कि इससे उसका मन भी एकाग्रता से पढ़ने के लिए तैयार रहेगा।

समझें बच्चे का लर्निंग स्टाइल: हर बच्चे का चीजों को सीखने, नई जानकारियां हासिल करने और याद करने का अपना ढंग होता है। अगर बच्चा विजुअल लर्नर है तो वह सब्जेक्ट पढ़ते समय प्रमुख बिंदुओं और पंक्तियों को हाईलाइट करेगा, अलग-अलग कलर से प्वाइंट्स बनाएगा और बीच-बीच में नोटबुक में अपनी सुविधा के मुताबिक डायग्राम, ग्राफिक्स या बुलेट प्वाइंट लिखेगा। उसे एजुकेशनल वीडियो देखना भी पसंद हो सकता है। वहीं ऑडिटरी लर्नर बच्चे, विषय को बोल-बोलकर पढ़ते हैं। वे दूसरे बच्चों से डिस्कस करते हैं और एक-दूसरे को विषय सुनाते और समझते भी हैं। कुछ बच्चे हर 15-20 मिनट या आधे घंटे के अंतराल पर उठकर पानी पीते हैं और खिड़की की तरफ झांकने लगते हैं। कुछ बच्चे लगातार दो से तीन घंटे एक ही सिटिंग में पढ़ना पसंद करते हैं। इसलिए बच्चे की लर्निंग स्टाइल पर उसे न टोकें।

इमोशनल सपोर्ट दें: बच्चों के लिए एग्जाम टाइम स्ट्रेसफुल होता है। इस दौरान उनके लिए इमोशनल सपोर्ट बहुत महत्वपूर्ण होता है। अपने बच्चे की समस्याओं, चिंताओं को सुनने और एनकरेज करते रहें।

रिविजन के लिए प्रेरित करें: एग्जाम्स की अच्छी तैयारी के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम है रेग्युलर रिवीजन। इससे बच्चा जो याद करेगा, उसे कभी नहीं भूलेगा।

रेस्ट करने के लिए भी कहें: बच्चे एग्जाम की तैयारी के दौरान कई बार मानसिक रूप से थक जाते हैं। उन्हें आराम की जरूरत होती है। नियमित ब्रेक लेने से तनाव को दूर करने में मदद मिल सकती है।

बालों के लिए फायदेमंद है मुलेठी

बढ़ते पॉल्यूशन और अव्यवस्थित लाइफस्टाइल की वजह से अधिकतर महिलाएं किसी न किसी हेयर प्रॉब्लम से परेशान रहती हैं। बालों का असमय सफेद होना, कम उम्र में बालों का झड़ना, कमजोर और पतले बाल जैसी समस्याएं अब बहुत कॉमन हो चुकी हैं। धूल, मिट्टी और पोषण की कमी की वजह से बाल पतले, डल और बेजान होने लगते हैं। आंवला, भृंगराज के साथ-साथ मुलेठी का उपयोग बालों को कोमल चमकदार और जड़ों से मजबूत बनाने में काफी सहायक हो सकता है।

डेंड्रफ प्रॉब्लम होगी दूर: अगर आप बालों में रूसी यानी डेंड्रफ की समस्या से परेशान हैं तो मुलेठी का इस्तेमाल कारगर हो सकता है। मुलेठी को पीसकर पावडर बना लें। अब कांच के बाउल में एक चम्मच नीबू का रस, एक चम्मच शहद मिला लें और जब यह अच्छे से मिल जाए तो एक चम्मच मुलेठी पावडर को मिलाकर पेस्ट बना लें। मुलेठी में एंटी बैक्टीरियल गुण मौजूद होने की वजह से इस हेयर पैक को बालों और सिर पर लगाने से डेंड्रफ की समस्या से निजात मिलेगी। इसे आप हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

रोकता है हेयर फॉलिंग: हेयर फॉलिंग और गंजेपन की समस्या से निपटने में भी मुलेठी का हेयर पैक काफी कारगर साबित होता है। इसे बनाने के लिए कांच के बाउल में एक चम्मच मुलेठी पावडर और कुछ केसर के धागे अच्छी तरह मिलाने के बाद इसमें 1 कप दूध डालकर बने मिश्रण को रात के समय अपने बालों पर लगाएं और शॉवर कैप से बालों को कवर करके सो जाएं। सुबह इसे माइल्ड शैंपू से धो डालें।

काले बालों के लिए: अगर आपके बाल असमय सफेद हो रहे हैं तो दही और मुलेठी का पेस्ट कारगर साबित हो सकता है। इसके लिए दही और मुलेठी पावडर को बराबर मात्रा में मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें और इस पेस्ट को बालों पर लगाकर सूखने के बाद माइल्ड शैंपू से धो डालें। इस पेस्ट को आप हफ्ते में एक बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

मुलेठी का हेयर मास्क: हेयर मास्क बनाने के लिए कांच के बाउल में आधा केला, 2 चम्मच मेहंदी पावडर और 1 चम्मच मुलेठी पावडर को अच्छे से मिलाकर एक समान गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों पर 45 मिनट तक लगाने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें।

महिलाओं से जुड़ी ऐसी बहुत सी बीमारियां हैं, जिनके बारे में उन्हें मालूम नहीं होता और धीरे-धीरे वह बीमारी बड़ा रूप ले लेती है। एंडोमेट्रियोसिस ऐसी ही एक बीमारी है। इस बीमारी के कारण, लक्षण और ट्रीटमेंट के बारे में बता रहे हैं आपको।

लापरवाही से बढ़ सकती है एंडोमेट्रियोसिस की प्रॉब्लम

कई आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में 10 से 15 प्रतिशत महिलाएं एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित हैं। एंडोमेट्रियोसिस एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है, फिर भी जागरूकता की कमी और इसके लक्षण बहुत ही सामान्य होने की वजह से अकसर इसका ट्रीटमेंट समय पर नहीं हो पाता है।

कैसे होती है यह प्रॉब्लम: जब यूटेरस के लेयर की तरह एक टिश्यू, यूटेरस कैविटी के बाहर बढ़ने लगता है तो यह ओवरी, फैलोपियन ट्यूब और पेल्विक लिगामेंट को प्रभावित करने लगता है। इस एब्नॉर्मल टिश्यू ग्रोथ की वजह से स्वेलिंग आ जाती है और टिश्यू चिपक जाता है। उसके निशान पड़ जाते हैं, जिससे दर्द होता है और प्रेग्नेंसी में प्रॉब्लम जैसे अलग-अलग लक्षण दिखाई देते हैं। इसे ही एंडोमेट्रियोसिस कहते हैं। यह स्थिति महिलाओं में 25 साल की उम्र में शुरू हो सकती है और लगभग 50 साल की उम्र तक जारी रह सकती है। ज्यादातर महिलाएं इस बीमारी से अनजान रहती हैं।

एंडोमेट्रियोसिस के प्रमुख लक्षण: पेल्विक एरिया में क्रॉनिक पेन, जो पीरियड्स के दौरान बढ़ता है।

- पीरियड्स की अनियमितता, उन दिनों में बहुत ज्यादा दर्द होना, ज्यादा मात्रा में ब्लीडिंग होना। सेक्स के दौरान दर्द होना।
- शौच या पेशाब करते हुए बहुत दर्द होना।
- पीरियड्स के दौरान थकान, सूजन और वॉमिट फील होना।
- एंडोमेट्रियोसिस की वजह से प्रजनन अंगों को नुकसान होता है और गर्भधारण करने में परेशानी होती है।

हार्मफुल होती है लापरवाही: एंडोमेट्रियोसिस के लक्षण हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। कभी-कभी बहुत हल्के या कम फील हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में जब तक उन्हें गर्भधारण करने में कठिनाई न हो, तब तक इसके लक्षण महसूस नहीं होते हैं। इसलिए जब तक गर्भधारण करने में परेशानी न हो तब तक महिलाएं अपनी इन समस्या के लिए डॉक्टर से कंसल्ट नहीं करती हैं। जागरूकता की कमी की वजह से एंडोमेट्रियोसिस का निदान में देरी हो जाती है।

डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट: एंडोमेट्रियोसिस का ट्रीटमेंट तभी शुरू हो सकता है, जब कंडीशन पूरी तरह डायग्नोस कर ली जाती है। ट्रांसवेजाइनल अल्ट्रासोनोग्राफी, एमआरआई और मिनिमली इंवेसिव लैप्रोस्कोपिक कुछ ऐसी डायग्नोस्टिक तकनीकें हैं, जिनका उपयोग सटीक निदान के लिए किया जाता है। रोबोट असिस्टेड सर्जरी जैसी उन्नत सर्जिकल मैथड्स ने एंडोमेट्रियोसिस सर्जरी के परिणामों में काफी इंप्रूवमेंट किया है। सर्जरी के लिए कई बार कोलोरेक्टल सर्जन और यूरोलॉजिस्ट के साथ मल्टी-डिसिप्लिनरी डायग्नोसिस की भी जरूरत पड़ सकती है। इसके अलावा, डायग्नोस्टिक स्टेप्स में लक्षणों की जांच के साथ-साथ पूरी मेडिकल हिस्ट्री भी ली जाती है। एंडोमेट्रियोसिस के प्रॉपर ट्रीटमेंट के लिए मल्टी-डिसिप्लिनरी एंगल से डायग्नोसिस पर ध्यान देना जरूरी है। ऐसे हॉस्पिटल्स जहां गायनेकोलॉजिस्ट्स, रेडियोलॉजिस्ट, पेन स्पेशलिस्ट्स और फर्टिलिटी एक्सपर्ट एक साथ पेशेंट की कंडीशन पर कंसल्ट कर सकते हैं। इससे पेशेंट को उनके लक्षणों, बीमारी के चरण और प्रेग्नेंसी इश्यूज के अनुसार इलाज मिलता है। ट्रीटमेंट में आमतौर पर दर्द के लिए दवा, बीमारी की प्रगति को धीमा करने वाली हार्मोनल थेरेपी और गंभीर मामलों में स्कार टिश्यू और एंडोमेट्रियल ग्रोथ को हटाने के लिए सर्जरी की जाती है।

प्रस्तुति: सहेली फीचर्स

यह सही है कि विवाह के बाद किसी युवती के लिए नए घर, नए परिवार और परिवेश में घुलना-मिलना आसान नहीं होता है। लेकिन अगर आप हर तरह के पूर्वाग्रहों और आशंकाओं से मुक्त होकर, स्नेह-प्रेम के भाव लेकर, पूरी सकारात्मकता के साथ नए जीवन में प्रवेश करेंगी तो सब कुछ आपकी कल्पना से भी सुंदर होगा।

पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर रखें नए जीवन में अपने कदम

जीवन भर के लिए दो इंसानों के मन जोड़ने वाले वैवाहिक गठबंधन में शुरुआती पड़ाव पर ही समझदारी आवश्यक है। दो परिवारों को एक डोर में बांधने वाला शादी का रिश्ता, इमोशनल और प्रैक्टिकल दोनों ही मोर्चों पर नई शुरुआत ही होता है। संबंधों से लेकर रहन-सहन और सोच-समझ तक, हर पहलू पर इसमें नयापन समाया होता है। जरूरी है कि इस नएपन को सकारात्मक भाव संग अपनाने के लिए हर पूर्वाग्रह से परे होकर नई जिंदगी का स्वागत किया जाए। दुल्हन के मन में भावी जीवन के लिए बंधी-बंधाई सोच नहीं बल्कि सहजता का भाव हो। तयशुदा खांचे या विचार से परे ससुराल और जीवनसाथी से जुड़ाव बनाने की यह संतुलित समझ, सदा के लिए रिश्तों की नींव पक्की कर देगी।

पूर्वाग्रहों से बचें: सबसे पहले तो यह समझ लें कि यह जीवन की नई शुरुआत है। अपने मन को भी पूरी तरह इस नएपन से जोड़ें। सुनी-सुनाई बातों के प्रति अपना रुख सहज रखने का प्रयास करें। देखने में आता है कि वैवाहिक जीवन से जुड़े बहुत से पहलू बदलने के बावजूद युवतियां शादी के बंधन को लेकर भयभीत रहती हैं। कई बार इस तयशुदा सोच को अपने-पराए अपनी राय के रूप में खाद पानी भी खूब देते हैं। ऐसे पूर्वाग्रहों को दिलो-दिमाग से निकाल दें। अब सोशल सिस्टम में बहुत कुछ बदल गया है। पारिवारिक परिवेश में भी कितने ही नए बदलावों को सहज स्वीकार्यता मिली है। अपने रिश्तों को जीवंत रखने के लिए, नए जीवन की शुरुआत करते हुए हर तरह के पूर्वाग्रह से बचें।

शंकाओं से न घिरें: संदेह की बुनियाद पर वैवाहिक रिश्ते का भवन नहीं बनाया जा सकता है। इसीलिए शादी के पहले या बाद में, मन में आई हर शंका का हल व्यावहारिक रूप से तलाशें। घर से बड़ों को सही जानकारी लेने को कहें। कोई उलझन हो तो आज की शिक्षित सजग युवतियों को स्वयं ही स्पष्ट सवाल कर बात क्लीयर कर लेनी चाहिए। एक ओर भावी जीवनसाथी का सोशल मीडिया प्रोफाइल देखकर व्यक्तित्व को जरा विशेष समझने की गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं तो दूसरी ओर दिखावे के बर्ताव से दूर सधे-संयमित व्यक्तित्व को कमजोर समझ लिया जाता है। संवाद की अति और सूचनाओं के समंदर में जाने कितनी ही शंकाएं-आशंकाएं मन को घेर लेती हैं। उस घर की बेटी के साथ तो ऐसा हुआ या फलाने रिश्तेदार की बेटी ने क्या-क्या झेला? जैसी बातें नए रिश्ते के प्रति शंकाएं बढ़ाती हैं। जाने-अनजाने पूर्वाग्रहों के बीज बोती हैं। ऐसे में किसी शंका का समाधान करने की राह चुनें न कि शक के घेरे में और उलझती जाएं। ऐसी बातें वेडिंग एंजाइटी बढ़ाती हैं। फिक्र के घेरे में आप शादी के खुशनुमा पलों को भी नहीं जी पाएंगी।

समझें रस्मों में निहित संदेश: बेटी को लक्ष्मी मानने वाले हमारे समाज में विदाई के समय पीछे की ओर चावल फेंकने की एक रस्म भी होती है। यह रिवाज न केवल बिटिया के जाने के बाद भी मायके में धन-धान्य बने रहने से बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि वह हर नकारात्मकता और पूर्वाग्रह को पीछे उड़ेलकर नए जीवन की ओर कदम बढ़ा रही है। विवाह आयोजन आपके और आपके अपनों के लिए खुशियों को जीने का अवसर है। इस अवसर को सकारात्मकता से अपनाएं।

सलाहों के फेर में ना फंसें

शादी कैसे निभाई जाए? नए रिश्तों को कैसे साधा जाए? लाइफ पार्टनर को कैसे समझा जाए और यहां तक कि नई जिंदगी में कैसे सब कुछ अपने हाथ में लिया जाए? जैसी सलाहें अपने ही नहीं पराए भी खूब देते हैं। मिसाल के तौर पर, 'उसने तो शादी के बाद पहले दिन से ऐसा किया। इसने तो शुरू से ही किसी की नहीं सुनी। देखो, एक बार ससुराल में सबकी बात मानी तो फिर तुम्हारी कोई नहीं सुनेगा। तुम किसी मामले में कम हो क्या?' लंबी फेहरिस्त में न समाने वाले ऐसे उदाहरण मन को डिगाने वाले होते हैं। साथ ही क्या और कैसे किया की रणनीति वाली सलाहें भी दिलो-दिमाग को उलझा देती हैं। ध्यान रहे कि हर घर का माहौल अलग होता है। इन बातों की बुनियाद पर अपना दृष्टिकोण न बनाएं। सहजता से सब संभाल लेने का सकारात्मक भाव रखें।

भारत विकास परिषद के निःशुल्क नेत्र जांच शिविर से 55 जने लाभान्वित

❑ 14 नेत्र रोगी नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित ❑ 23 फरवरी को द्वितीय नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर लगेगा

श्रीगंगानगर। भारत विकास परिषद, प्रताप शाखा, श्रीगंगानगर द्वारा मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। सचिव सीए धीरज कुमार लीला ने बताया कि जस्सा सिंह मार्ग ब्रह्म कॉलोनी स्थित हनुमान धाम धर्मशाला (चेरिटेबल ट्रस्ट) में लगाए गए इस शिविर को लेकर आमजन में भारी उत्साह देखने को मिला। शिविर प्रभारी सुभाष धींगड़ा व ताराचंद खत्री ने बताया कि नेत्र जांच शिविर में श्री जगदम्बा धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय के अनुभवी डॉक्टरों की टीम द्वारा 55 महिलाओं-पुरुषों की आँखों की निःशुल्क जांच की गई तथा 14 नेत्र रोगी निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किए गए, जिनका श्री जगदम्बा धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय में डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जाएगा।

अध्यक्ष चंद्रेश जैन ने बताया कि इसी कड़ी में 23 फरवरी, रविवार को प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक इन्द्रा चौक स्थित महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम राजकीय विद्यालय में द्वितीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया जाएगा, जिसका भी उन्होंने शहरवासियों से अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। इच्छुक नेत्र रोगी अधिक जानकारी के लिए शिविर प्रभारी सुभाष धींगड़ा (मो. 9414578618) तथा ताराचंद खत्री (मो. 9414094093) से सम्पर्क कर सकते हैं। प्रथम निःशुल्क नेत्र जांच शिविर के सफल आयोजन में संरक्षक नरेन्द्र चांगिया, अध्यक्ष चंद्रेश जैन, सचिव सीए धीरज कुमार लीला, कोषाध्यक्ष संजीव सिंगल, शिविर प्रभारी सुभाष धींगड़ा व ताराचंद खत्री, वरिष्ठ सदस्य शिवशंकर मित्तल, इंजी. विश्वबंधु गुप्ता, वीरेंद्र अरोड़ा, तरसेम तायल, श्याम सुंदर चांडक, सुशील बांठिया, जगीरचंद फरमा, रवि सोनी, राजेश गुप्ता, पवन बंसल सहित समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डॉ. रिया शर्मा तथा हनुमान धाम धर्मशाला चेरिटेबल ट्रस्ट के सचिव को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद, प्रताप शाखा, श्रीगंगानगर पदाधिकारी, सदस्य एवं नेत्र रोगी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

यूपी सरकार के अफसरों को सुप्रीम कोर्ट ने फटकारा

पूछा- कुशीनगर की मस्जिद क्यों तोड़ी

कुशीनगर। कुशीनगर में मदनी मस्जिद तोड़ने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार के अफसरों को कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसमें पूछा कि क्यों न उनके खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाएड़कोर्ट ने साफ निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक किसी भी ढांचे को नहीं तोड़ा जाएगा। यह कोर्ट के पहले के आदेश की अवहेलना का गंभीर मामला माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर, 2024 को बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाई थी। कोर्ट ने उसी दिन साफ आदेश दिया था कि बिना पहले सूचना और सुनवाई का मौका दिए किसी भी तरह की तोड़फोड़ नहीं की जा सकती। मामला हाटा नगरपालिका क्षेत्र का है।

उन्होंने कहा- जिस जमीन की बात हो रही है, उस पर पहले से इलाहाबाद हाईकोर्ट के जरिए स्टे लगा है। उसके बाद भी हमें टाइम नहीं दिया। प्रशासन ने 21 दिसंबर, 2024 को जो नोटिस दिया था, उसे हमारी पार्टी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चैलेंज किया है। वहां से 3 हफ्ते का स्टे ऑर्डर खत्म होते ही बुलडोजर और जेसीबी लगाकर मस्जिद की एक पोजीशन को तोड़ दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर, 2024 के ऑर्डर में डिमॉलिशन के खिलाफ जो फैसला दिया था, उसे भी नजरअंदाज किया गया। पर्सनल हियरिंग का टाइम नहीं मिला। कोई कारण नहीं दिया गया, डिमॉलिशन ऑर्डर पास नहीं हुआ। इस डिमॉलिशन के खिलाफ हमने पिटिशन फाइल की थी। इसमें डीएम, एसपी, सीओ, एसडीएम हाटा, नगर पालिका हाटा के ईओ (जिनकी निगरानी में यह सब हुआ) को पार्टी बनाया गया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे ऑर्डर करते हुए इन लोगों को नोटिस जारी किया है।कुशीनगर सांसद विजय दुबे बोले- मदनी मस्जिद ध्वस्त करने का फैसला सही कुशीनगर सांसद विजय दुबे का कहना है- मदनी मस्जिद ध्वस्त करने का फैसला सही है। पिछली सरकारों में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके मस्जिद का निर्माण किया गया था। इसे हटाना जरूरी था। कुछ लोग तुष्टीकरण की नीति से सत्ता हासिल करने का प्रयास करते हैं। लेकिन, नगर पालिका की जमीन पर अवैध निर्माण नहीं किया जा सकता। 9 फरवरी को हुआ था बुलडोजर एक्शन मदनी मस्जिद पर 9 फरवरी, 2025 को बड़ी कार्रवाई की गई। प्रशासन ने स्वीकृत नक्शे से ज्यादा निर्माण का हवाला देते हुए 9 बुलडोजरों की मदद से मस्जिद के 11 पिलर तोड़ दिए।

प्रज्ज्वल ने जीता गोल्ड मेडल, तीरंदाजी में किया नाम रोशन

हनुमानगढ़। जिले के गांव नाथवाना के प्रतिभाशाली तीरंदाज प्रज्ज्वल ने पश्चिम बंगाल के बोलपुर में आयोजित 44वीं जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए रैंकिंग राउंड में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसके अलावा, टीम इवेंट में भी प्रज्ज्वल ने कांस्य पदक जीतकर अपने गांव और जिले का नाम रोशन किया।

प्रज्ज्वल के कोच अमन कड़वा ने बताया कि वह राजीव गांधी स्टेडियम, हनुमानगढ़ में नियमित रूप से अभ्यास करता है और इससे पहले भी कई प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर अनेक पदक जीत चुका है। कोच ने कहा कि प्रज्ज्वल की कड़ी मेहनत और समर्पण ही उसकी सफलता का सबसे बड़ा कारण है।

प्रज्ज्वल की इस उपलब्धि पर परिवार, खेल प्रेमियों और जिलेवासियों में खुशी की लहर है। उसके शानदार प्रदर्शन पर कोच अमन कड़वा ने कहा कि यह सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में प्रज्ज्वल और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेगा।

रेसटा ने शिक्षको की मांगो के जल्द समाधान के लिए संयुक्त निदेशक को करवाया अवगत, मिल आश्वासन

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। शिक्षक संघ एलिमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा बीकानेर गोविंद नारायण माली से मिलकर संगठन की मांगो से अवगत करवाया। जिनमें महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में जल्द जिला आवंटन व पदस्थापन करवाने,दो दिवसीय जिला स्तरीय व दो दिवसीय राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मेलनों में शिक्षकों की शत प्रतिशत उपस्थिथि अनिवार्य करने,तबादलों हेतु स्थाई तबादला नीति बनाई जाएं जिसमें विधायकों/जन प्रतिनिधियों की डिजायर प्रथा का बंद किया जाएं, 2023-24, 2024-25 दो सत्रों की वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता बकाया पदोन्नति अतिशीघ्र करवाने,5 सितंबर को ब्लॉक,जिला व राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान हेतु आवेदन करने व पुरुस्कृत होने वाले सभी शिक्षको के शाला दर्पण पर ऑनलाइन नंबर सहित उनके द्वारा साथ में सलंग्न किए गए समस्त दस्तावेजो को ऑनलाइन जारी किया जाएं। जिससे सम्मान समारोह की पारदर्शिता बनी रही। साथ ही राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित शिक्षको को उन स्कूलों में लगाया जाएं जिन स्कूलों में ड्रॉप आउट विद्यार्थियों की संख्या अधिक हो साथ ही बालिकाओं की शिक्षा से दूरी हो ओर नामांकन की संख्या कम हो। राज्य के सभी समग्र शिक्षा में 1382 पदों के लिए हुए इंटरव्यू का जल्द परिणाम जारी करवाने, उप प्राचार्य के 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती, शिक्षकों को गैर शैक्षिक कार्यों में

नहीं लगाने,कार्यरत कंप्यूटर अनुदेशकों का पदनाम कंप्यूटर शिक्षक करने व केडर की पुनः समीक्षा करवाकर केडर संशोधन व विस्तार करवाने, शिक्षकों की सुरक्षा के लिए अधिनियम बनाने,सभी उच्च माध्यमिक स्कूलों में अनिवार्य विषयों के पद स्वकृत करवाने,दो सरकारी बीएड कॉलेज (राजकीय उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान के नाम से बीकानेर व अजमेर) में संचालित है। इनमें स्कूल शिक्षा के कार्मिक लगे हुए है। जबकि बीएड व एमएड उच्च शिक्षा में आते है इसलिए इन संस्थानों में उच्च शिक्षा के समकक्ष योग्यता वाले कार्मिक नेट /जेआरएफ/पीएचडी को लगाएं जाएं। सरकारी स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने,सभी संवर्गो की वेतन विसंगतियों को दूर करवाने,लेवल टू के संशोधित परिणाम में चयनित शिक्षकों को यथावत रखते हुए छाया पद स्वीकृत करके नव चयनितों को नियुक्ति देने की मांगो के जल्द निस्तारण करवाने की मांग की है। जिस पर संयुक्त निदेशक माली ने मांगो को राज्य सरकार को भिजवाएं जाने के लिए आश्वस्त किया।इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद,प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर बिश्नोई,जिलाध्यक्ष सीताराम डूडी,जिला सभाध्यक्ष गोपाल शर्मा,जिला महासचिव शालिनी शर्मा,जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार शर्मा, जिला प्रवक्ता अविनाश आशिया, जिला प्रतिनिधि पवन कुमार,ब्लॉक अध्यक्ष भंवरलाल आचार्य,अनिल यादव,विशाल चौधरी,सुभाष विश्नोई ,भीमसिंह मीना,बाबूलाल मीणा आदि मौजूद रहे।

तपने लगा सूरज...4 जिलों में पारा 34 डिग्री पार

35 डिग्री के साथ जगदलपुर सबसे गर्म, 20 फरवरी के बाद 3 डिग्री लुढ़केगा न्यूनतम तापमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दो दिन बाद यानी 20 फरवरी के बाद न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक गिरावट होने के आसार हैं। पारा लुढ़कने से रात में ठंड बढ़ेगी। इसका ज्यादा असर सरगुजा संभाग में रहेगा। वहीं मध्य और दक्षिण हिस्से में भी रात के तापमान में हल्की गिरावट होने की संभावना है। बता दें कि प्रदेश में लगातार दिन और रात का तापमान बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान उत्तर और दक्षिण हिस्से में टेम्प्रेचर 2 से 3 डिग्री तक चढ़ा है। रायपुर, दुर्ग, और जगदलपुर में दिन का तापमान 34 डिग्री के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश में सबसे गर्म जगदलपुर रहा। यहां दिन का तापमान 35.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं सबसे ठंडा अंबिकापुर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री रिकॉर्ड किया।सोमवार को रायपुर में दिन का तापमान 35 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से करीब 4 डिग्री अधिक रहा। वहीं रात का तापमान 18.4 डिग्री रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आज मौसम साफ रहेगा और दिन का तापमान 35 डिग्री से 18 डिग्री के बीच रहेगा।

गुरऐकम सिंह बने सबसे युवा नेशनल शूटर

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। मदान स्कूल में 15 फरवरी 2025 को वार्षिक खेल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के कक्षा 5 के छात्र गुरऐकम सिंह को उनकी असाधारण उपलब्धि के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। गुरऐकम ने भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर चयन प्राप्त किया, जिससे वह सबसे कम उम्र में राष्ट्रीय खिलाड़ी बनने वाले प्रतिभाशाली शूटर बन गए। विद्यालय के संस्थापक श्री राजेंद्र मदान और गुरऐकम सिंह के दादाजी गुरमेल सिंह को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। सम्मान समारोह में विद्यालय प्रबंधक श्री सुनील मदान ने गुरऐकम को विजेता ट्रॉफी प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रधानाचार्या श्रीमती भावना मित्तल ने कहा कि गुरऐकम की इस उपलब्धि से यह सिद्ध होता है कि छोटे-छोटे गांवों में भी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं होती। यदि विद्यार्थी सच्ची लगन और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें, तो वे किसी भी स्तर पर सफलता प्राप्त कर सकते हैं और अपने समाज, गांव और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। गुरऐकम सिंह, जो हनुमानगढ़ के छोटे से गांव चक बुहड़ सिंह वाला के निवासी हैं, ने अपने माता-पिता श्री गुरतेज सिंह और श्रीमती सतवीर कौर का नाम गौरवान्वित किया है।

नोएडा में गोली लगने से बच्चे की मौत

नोएडा (जनमार्ग न्यूज)। नोएडा में ढाई साल के बच्चे अंश की हर्ष फायरिंग में मौत हो गई। रविवार शाम को एक बारात की घुड़चड़ी के दौरान हर्ष फायरिंग की गई थी। इसमें पिता विकास की गोद में छज्जे से शादी को देख रहे ढाई साल के बच्चे की गर्दन में एक गोली लगी और सिर के ऊपर से निकल गई। बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रतिभा सम्मान समारोह एवं स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सामाजिक धार्मिक संस्था महासंघ श्रीगंगानगर के तत्वावधान में महात्मा गाँधी विद्यालय नं. 5 पुलिस लाईन में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बलजीत सिंह राणा थे। अध्यक्षता महासंघ के अध्यक्ष रमेश सिंगल ने की। कार्यक्रम संयोजक जगीरचन्द फरमा, सह-संयोजक मनीराम सेतिया थे। स्वागताध्यक्ष प्रधानाचार्या रिम्पा तलवार, विशिष्ठ अतिथि सुशील बांठिया, इन्दूभूषण चावला, अवतार सिंह मल्होत्रा, गोल्डी पाहूजा, अर्जुन चौहान, रघुवीर जांदू थे। कार्यक्रम में एसएमसी व एसडीएमसी के सदस्यों व विद्यालय स्टॉफ का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन पूजा लड्ढा व सुमन ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। छोटे बच्चों ने समूह नृत्य प्रस्तुत किया तत्पश्चात् छोटे-छोटे बच्चों को स्टेशनरी किट वितरित की गई जिसमें ड्राईंग कॉपी, पैंसिल सैट, कलर आदि शामिल थे।

प्रधानाचार्या एवं स्वागताध्यक्ष रिम्पा तलवार ने विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों का अभिनन्दन किया। मुख्य अतिथि बलजीत सिंह राणा के 76वें जन्मदिवस पर उन्हें शुभकामनाएँ व बधाई दी तथा उनके स्वस्थ जीवन की कामना देते हुए कहा कि सामाजिक धार्मिक संस्था महासंघ शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक कर बच्चों को साक्षर बनाने की प्रेरणा जन-जन को दे रहा है। छोटे बच्चों में केक व मिठाई वितरण करने पर महासंघ का आभार प्रकट किया।

जगीरचन्द फरमा ने बच्चों को स्टेशनरी वितरण करने पर सभी को धन्यवाद दिया तथा कहा कि महासंघ कमजोर वर्ग के बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा कर उन्हें पढने हेतु प्रेरित कर रहा है तथा बच्चों में नैतिक शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नैतिक शिक्षा के अन्तर्गत बच्चों को सर्वांगीन विकास और नैतिक मूल्यों की ओर उन्मुख करने के उपरांत ही बालक चारित्रिक व नैतिक रूप से स्वस्थ हो सकता है। हमें बच्चों में महापुरूषों का जीवन चरित्र सुनाकर उनमें नैतिक गुण पैदा कर सकते हैं।

मनीराम सेतिया ने कहा कि पाठशाला का भवन बड़ा हो या छोटा, उतना महत्व नहीं है जितना उसकी स्वच्छता और सुंदरता का होता है। विद्यालय वातावरण इतना आकर्षक होना चाहिए कि वहां आते ही बालक के मन में हर्ष और उल्लास समा जाए। स्वच्छ वातावरण में ही बालक के मस्तिष्क का विकास संभव हो सकता है। बलजीत सिंह राणा ने कहा कि आलकों में नैतिक शिक्षा के माध्यम से अच्छे गुणों का विकास हो सकता है। बालकों में नैतिकता के द्वारा ही सकारात्मक विचार आ सकते हैं विचारों के निस्संकोच अदान-प्रदान से शिक्षा बालक के मनोभावों को शीघ्र ही समझ लेती है। शिक्षा के द्वारा ही बालक को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी प्राप्त होती है। अवतार सिंह मल्होत्रा ने बच्चों को स्टेशनरी वितरित करने पर धन्यवाद व आभार प्रकट किया।

अध्यापक अर्जुन चौहान व रघुवीर जांदू ने बलजीत सिंह राणा द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कार्यालय तहसीलदार (राजस्व) खाजूवाला

क्रमांकः - तखा / रीडर / 2023/115 दिनांकः - 30/04/2024

पटवारी हल्का, 7 SSM
तह. खाजूवाला ।

विषयः- वसीयत प्रकरण में मौका व कब्जा रिपोर्ट करने बाबत

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि वसीयत प्रकरण वाके चक 5 SSM के मु.नं. 68/29....की कुल तादादी 17.00 बीघा / हैक्टर कमाण्ड / अनकमाण्ड भूमि की वसीयतकर्ता बत्तासिंह पुत्र रण सिंह रामगढिया द्वारा गुरप्रीत सिह / गुरचरण सिहं व गुरजीतसिंह, हरदीप सिंह पुत्रगण धर्मसिंह के पक्ष में की हुई है। अतः आप उक्त रकबा की मौका एवं कब्जा रिपोर्ट निर्धारित प्रपत्र में तीन दिवस में पेश करे ।

तहसीलदार (राजस्व)
खाजूवाला

न्यायालय उपतहसीलदार (भूअ.) समेजा

क्रमांक / व.प्र. / भूअ / 2025 / 189 दिनांकः 17.02.25

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीया सरबती देवी पत्नी श्री जगरूप सिंह जाति मेघवाल निवासी बरूवाला तहसील रायसिंहनगर जिला श्रीगंगागनर ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थीया के पति जगरूप सिंह पुत्र अर्जुन सिंह जाति मेघवाल निवासी बरूवाला तहसील रायसिंहनगर जिला श्रीगंगागनर ने अपने जीवनकाल में आराजी चक 3 बी डब्ल्यू एस एम के मुरब्बा नं0 39 प0न0 300 / 334 की कुल 2.898 हैक्टर कमाण्ड भूमि अपनी पत्नी प्रार्थीया सरबती देवी पत्नी श्री जगरूप सिंह जाति मेघवाल निवासी बरूवाला तहसील रायसिंहनगर जिला श्रीगंगागनर के हक में वसीयत दिनांक 08.07.2008 को निष्पादित करवाई है, जो उप पंजीयक रायसिंहनगर से पंजीबद्ध है, के आधार पर प्रार्थीया वसीयत का इन्तकाल दर्ज करवाना चाहती है। वसीयत कर्ता जगरूप सिंह पुत्र अर्जुन सिंह जाति मेघवाल निवासी बरूवाला तहसील रायसिंहनगर का देहान्त दिनांक 29.10.2017 को हो चुका है । इस वसीयत पर इन्तकाल दर्ज किये जाने पर किसी को कोई आपत्ति / एतराज हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अपनी आपत्ति अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालय समय में असालतन / वकालतन उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। मियाद बाद गुजरने कोई उजर एतराज काबिले गौर नहीं होगा व प्रकरण विधिसम्मत तरीके से निर्णित कर दिया जावेगा ।

यह सूचना आज दिनांक. 17.02.25 को मेरे कार्यालय की मुद्रा व हस्ताक्षर से जारी की गई।

(सलिन्द्र कुमार)
उपतहसीलदार (भूअ.)
समेजा कोठी

न्यायालय उपतहसीलदार (भूअ.) समेजा

क्रमांक / व.प्र. / भूअ / 2025 / 186 दिनांकः 17.02.25

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीया नवदीप कौर पत्नी श्री जगजीत सिंह जाति जटसिख निवासी 15 पीटीडी ए तहसील रायसिंहनगर जिला श्रीगंगागनर ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थीया के दादा ससुर सरदूल सिंह पुत्र प्रताप सिंह जाति जटसिख निवासी 15 पीटीडी ए तहसील रायसिंहनगर जिला श्रीगंगागनर ने अपने जीवनकाल में आराजी चक 12 पीटीडी बी के खाता संख्या 52 / 40 मुरब्बा नं0 24 प0न0 269 / 348 की कुल 3.099 हैक्टर कमाण्ड सर्वजीत कौर मय गै. मु.खाला भूमि अपनी पोत्रवधु प्रार्थीया नवदीप कौर पत्नी श्री जगजीत सिंह, सर्वजीत कौर पत्नी लखविन्द्र सिंह जाति जटसिख निवासी 15 पीटीडी ए तहसील रायसिंहनगर जिला श्रीगंगागनर के हक में वसीयत दिनांक 06.02.2024 को निष्पादित करवाई है, जो नोटेरी अरूण कुमार शर्मा रायसिंहनगर से प्रमाणित है, के आधार पर प्रार्थीया वसीयत का इन्तकाल दर्ज करवाना चाहती है । वसीयत कर्ता सरदूल सिंह पुत्र प्रताप सिंह जाति जटसिख निवासी 15 पीटीडी ए तहसील रायसिंहनगर का देहान्त दिनांक 07.11.2024 को हो चुका है। इस वसीयत पर इन्तकाल दर्ज किये जाने पर किसी को कोई आपत्ति / एतराज हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अपनी आपत्ति अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालय समय में असालतन / वकालतन उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। मियाद बाद गुजरने कोई उजर एतराज काबिले गौर नहीं होगा व प्रकरण विधिसम्मत तरीके से निर्णित कर दिया जावेगा । यह सूचना आज दिनांक. 17-02-2025 को मेरे कार्यालय की मुद्रा व हस्ताक्षर से जारी की गई।

(सलिन्द्र कुमार)
उपतहसीलदार (भूअ.)
समेजा कोठी

कार्यालय तहसीलदार (भू.अ.) गजसिंहपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक / भू.अ./302 दिनांकः 17.02.25

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि श्री बता सिंह पुत्र चैत सिंह जाति मजहबी निवासी चक 25 आरबी तहसील रायसिंहनगर (नव-तहसील गजसिंहपुर) जिला श्रीगंगानगर ने अपनी कृषि भूमि चक 26 आरबी के मुरब्बा नं. 30 पत्थर नं. 255/351 किला नं. 1 ता 10 तथा 12 ता 19 व किला नं. 23 ता 25 कुल 21 बीघा बारानी व इसी मुरब्बा में किला नं. 11, 20, 21, 22 कुल 4 बीघा नहरी भूमि की वसीयत अपने पुत्र जंगीर सिंह पुत्र बंता सिंह जाति मजहबी निवासी चक 25 आरबी तहसील रायसिंहनगर (नव- तहसील गजसिंहपुर) जिला श्रीगंगानगर के पक्ष मे निष्पादित की हुई हैं। उक्त वसीयत नोटेरी पब्लिक रायसिंहनगर के द्वारा दिनांक 09.12.1986 को तस्दीक की गई हैं। वसीयत कर्ता की मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर मृत्यु दिनांक 18.06.1987 को हो चुकी हैं। उक्त वसीयत के आधार पर रिकॉर्ड अमल दरामद / इन्तकाल दर्ज कराने का प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में विचाराधीन हैं। इस वसीयत के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को एतराज हो तो दिनांक 04.03.25 तक इस कार्यालय में स्वयं या मार्फत वकील उपस्थित आकर अपनी आपत्ति पेश कर सकता है। अन्यथा मियाद गुजरने पर आपत्ति मान्य नहीं होगी व नियमानुसार एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। नोटिस आज दिन मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मोहर से जारी किया गया हैं।

तहसीलदार (भू.अ.)
गजसिंहपुर

न्यायालय उपतहसीलदार (भूअ.) समेजा

क्रमांक / व.प्र. / भूअ / 2025 / 204 दिनांकः 17.02.25

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी मूलाराम पुत्र श्री बुधराम जाति नायक निवासी 5 केएसडी बी तहसील रायसिंहनगर जिला श्रीगंगागनर ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थी की माता खेमीदेवी पत्नी बुधराम जाति नायक निवासी 5 केएसडी बी तहसील रायसिंहनगर जिला श्रीगंगागनर ने अपने जीवनकाल में आराजी चक 7 केएसडी के खाता संख्या 17 / 15 मु0न0 6 प0न0 253 / 363 कुल 1.581 हैक्टर नहरी भूमि अपने पुत्रों मूलाराम हेतराम पुत्रगण बुधराम जाति नायक निवासीगण 5 केएसडी बी तहसील रायसिंहनगर जिला श्रीगंगागनर के हक में बहिस्सा बराबर-बराबर वसीयत दिनांक 02.09.2021 को निष्पादित करवाई है, जो उप पंजीयक समेजा से पंजीबद्ध है, के आधार पर प्रार्थी वसीयत का इन्तकाल दर्ज करवाना चाहता है। वसीयत कर्ता खेमीदेवी पत्नी बुधराम जाति नायक निवासी 5 केएसडी बी तहसील रायसिंहनगर का देहान्त दिनांक 17.05.2023 चको हो चुका है। इस वसीयत पर इन्तकाल दर्ज किये जाने पर किसी को कोई आपत्ति / एतराज हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालय समय में असालतन / वकालतन उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। मियाद बाद गुजरने कोई उजर एतराज काबिले गौर नहीं होगा व प्रकरण विधिसम्मत तरीके से निर्णित कर दिया जावेगा। यह सूचना आज दिनांक. 17-02-2025 को मेरे कार्यालय की मुद्रा व हस्ताक्षर से जारी की गई ।

(सलिन्द्र कुमार)
उपतहसीलदार (भूअ.)
समेजा कोठी

न्यायालय उपतहसीलदार (भूअ.) समेजा

क्रमांक / व.प्र. / भूअ / 2025 / 192 दिनांकः 17.02.25

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी जंगीर सिंह पुत्र बंता सिह जाति मजहबी निवासी 25 आर बी तहसील रायसिंहनगर ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थी के पिता बंतासिंह पुत्र चैत सिंह जाति मजहबी निवासी 25 आर बी ने अपने जीवनकाल में आराजी चक 36 पी एस के प0न0 262 / 300 मु.नं. 35 कि.नं. 13 का 10 बीस्वा 14 ता 25 सालम कुल 12 बीघा 10 बीस्वा खातेदारी भूमि की वसीयत अपने हकीकी पुत्र जंगीर सिंह पुत्र बंता सिंह के पक्ष में वसीयत दिनांक 09.12.1986 को निष्पादित करवाई है, जो नोटेरी पब्लिक रायसिंहनगर से प्रमाणित है., के आधार पर प्रार्थीयान वसीयत का इन्तकाल दर्ज करवाना चाहते है । वसीयत कर्ता बंतासिंह पुत्र चैत सिंह जाति मजहबी का देहान्त दिनांक 18.06.1987 को हो चुका है।

इस वसीयत पर इन्तकाल दर्ज किये जाने पर किसी को कोई आपत्ति / एतराज हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अपनी आपत्ति अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालय समय में असालतन / वकालतन उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। मियाद बाद गुजरने कोई उजर एतराज काबिले गौर नहीं होगा व प्रकरण विधिसम्मत तरीके से निर्णित कर दिया जावेगा।

यह सूचना आज दिनांक. 17.02.25 को मेरे कार्यालय की मुद्रा व हस्ताक्षर से जारी की गई ।

(सलिन्द्र कुमार)
उपतहसीलदार (भूअ.)
समेजा कोठी

राजस्थान पेंशनर समाज की बैठक आयोजित

पूर्व विधायक गंगाजल मील के आकस्मिक निधन पर उनकी आत्मिक शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा

सूरतगढ़। राजस्थान पेंशनर समाज सूरतगढ़ की मीटिंग भारतीय जीवन बीमा निगम ऑफिस सूरतगढ़ परिसर में संपन्न हुई। सर्वप्रथम चेतराम जी एलआईसी शाखा प्रबंधक सूरतगढ़ और उनकी टीम द्वारा राजस्थान पेंशनर समाज के अध्यक्ष धर्मवीर शर्मा, प्रदेश संगठन मंत्री रमेश चंद्र माथुर, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष साधुराम शर्मा, प्रचार मंत्री सुरजीत सिंह संधा का माला पहनाकर शोल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। पेंशनर समाज के दिलीप सिंह, नानक चंद बाघला ,प्रहलाद राय पारीक और जयदेव पाठक तथा पूर्व विधायक श्री गंगाजल मील के आकस्मिक निधन पर उनकी आत्मिक शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया । आरजीएस में मेडिकल स्टोर द्वारा दवाइयां उपलब्ध नहीं करवाने पर सदस्यों ने गहरी नाराजगी व्यक्त की । सूरतगढ़ में 7 मेडिकल स्टोर ऋ॥ऽ में रजिस्टर्ड हैं , इनमें से कुछ मेडिकल स्टोर्स द्वारा दवाइयां उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है । दवाइयां उपलब्ध करवाने हेतु प्रदेश नेतृत्व को लिखित शिकायत दर्ज करवाई गई । कॉम्यूटेशन की अवधि 14 वर्ष से घटाकर 11वर्ष करने का सुप्रीम कोर्ट द्वारा फैसला दिया गया है जिसे राजस्थान में भी लागू करवाने के लिए रिट दायर करने की निर्णय दिया गया। पेंशनरों की प्रमुख मांग 65 वर्ष की आयु पर 5त्न , 70 वर्ष की आयु पर 10त्न और 75 वर्ष की आयु पर 15त्न अतिरिक्त पेंशन व भत्ता लागू करवाने के लिए प्रदेश पेंशनर समाज नेतृत्व को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया । 30 जून को मिलने वाले अतिरिक्त वेतन वृद्धि की राशि कुछ साथियों की अभी तक राशि जमा नहीं हुई है , उसके लिए कोषागार कार्यालय श्रीगंगानगर से संपर्क कर शीघ्र राशि जमा करवाने का प्रयास करने का प्रस्ताव पास किया गया । 1 जनवरी 16 से 31 दिसंबर 16 तक की अवधि में सेवानिवृत्त लोगों को सातवें वेतनमान आयोग के अनुरूप पेंशन का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है, जिसका सदस्यों में गहरा रोष है और शीघ्र भुगतान करवाने के लिए प्रस्ताव पास किया गया। भारतीय जीवन बीमा निगम सूरतगढ़ शाखा प्रबंधक चेतराम व दीपक शर्मा द्वारा बीमा से संबंधित योजनाओं को विस्तार से बताया गया जो कि पेंशनरों और उनके परिवार के आर्थिक लाभ के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं। इंश्योरेंस , म्युचुअल फंड, फिक्स डिपोजिट, जीवन अक्षय पॉलिसीआदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एलआईसी प्रबंधक द्वारा जलपान की बढ़िया व्यवस्था कराई गई है।

बैठक में सलविंदर सिंह, रामनारायण स्वामी, महावीर प्रसाद अग्रवाल, हरेंद्र सिंह, रामचंद्र बिश्नोई, प्रभु दयाल ओझा ,धर्माराम शर्मा, सत्येंद्र शर्मा ,मनीराम वर्मा, सीताराम, पुष्पा देवी राजपूत, सुमन इंदौरा , हंसराज खटोड़, चंद्रप्रकाश, रमेश चंद्र छाबड़ा, गौरीशंकर कौशिक, ओम प्रकाश स्वामी, बलराम पारीक, रमेश कुमार शर्मा , नोपाराम,रामजीलाल छींपा, राजकुमार परमार,पृथ्वी सिंह, विनोद कुमार मित्तल, श्याम सुंदर चुघ, पीसी सिंगल, हंसराज भाटी, सुरेश कुमार कोठारी, दिलीप कुमार मिश्रा, महावीर प्रसाद शर्मा, हंसराज वर्मा, बद्रीनारायण शर्मा , अशोक कुमार शर्मा , ईश्वर सिंह, दान सिंह,लक्ष्मी नारायण,महेंद्र कुमार शर्मा,ओमप्रकाश भार्गव, नत्थूराम कलवासिया, भंवरलाल आदि काफी संख्या में पेंशनरों ने भाग लिया अंत में अध्यक्ष महोदय द्वारा एलआईसी प्रबंधन टीम का सभी का आभार व्यक्त किया।

अग्रवाल समाज के रिश्तों में सहायता के लिए मिनी परिचय सम्मेलन आयोजित

अग्रवाल बंधु एक-दूसरे से रूबरू हुए तथा बायोडाटा का आदान-प्रदान किया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जन सेवा ट्रस्ट द्वारा समाज में विवाह योग्य युवक-युवतियों के रिश्तों में आ रही विकराल समस्या के समाधान हेतु मिनी परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मनोज चनाणी ने बताया कि श्रीगंगानगर सहित संपूर्ण भारतवर्ष के सर्व समाज के रिश्तों के लिए समर्पित संस्था जन सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित रिश्तेसेवा डॉट कॉम द्वारा अग्रवाल समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के रिश्तों के लिए जवाहरनगर स्थित स्वास्तिक ब्लड बैंक में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर अग्रवाल समाज के लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला। मिनी परिचय सम्मेलन में श्रीगंगानगर से सुरेंद्र सिंघल, पवन जैन, विनोद गर्ग, डॉ. नरेश गुप्ता, राजकुमार जिन्दल, विजय जिंदल, ज्ञानेश्वर अग्रवाल, रविन्द्र जैन, शालू गोयल, नोहर से तिलोक बंसल, रायसिंहनगर से जितेंद्र पाल गुप्ता सहित विभिन्न स्थानों से अग्रवाल समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के माता-पिता एक-दूसरे से रूबरू हुए तथा बायोडाटा का आदान-प्रदान किया। सचिव सुरेंद्र चनाणी ने बताया कि समाज के लोगों के आग्रह पर प्रतिमाह निःशुल्क मिनी परिचय सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया, ताकि रिश्ते होने की प्रबल सम्भावनाएं बन सके तथा अधिकाधिक संख्या में विवाह योग्य युवक-युवतियों को गृहस्थ जीवन से जोड़ा जा सके। इस अवसर पर जन सेवा ट्रस्ट पदाधिकारी एवं सदस्य तथा श्रीगंगानगर सहित अनेक स्थानों से अग्रवाल समाज के महिलाएं-पुरुष उपस्थित थे।

आत्मरक्षा एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता शिविर का समापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। अग्रवाल समाज समिति महिला विंग द्वारा आयोजित सात दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता शिविर का सोमवार को समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस शिविर का उद्देश्य छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाना और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना था। समापन कार्यक्रम में विधायक गणेश राज बंसल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा, अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक नीलम चौधरी, सीओ सिटी मीनाक्षी, निवर्तमान सभापति सुमित रणवा, प्राइवेट कॉलेज संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय, पूर्व पार्षद देवेंद्र अग्रवाल, साइबर एक्सपर्ट डॉक्टर केंद्र प्रताप, वाहेगुरु सिंह, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जितेन्द्र गोयल भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विंग की अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल ने की। समापन समारोह में छात्राओं ने पूरे सप्ताह में सीखे गए आत्मरक्षा के विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षकों द्वारा छात्राओं को कराटे, किकबॉक्सिंग, पंचिंग और बेसिक सेल्फ डिफेंस टेक्निक्स सिखाई गई, जिससे वे किसी भी अनजान परिस्थिति में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। छात्राओं ने दिखाया कि वे विपरीत परिस्थितियों में बिना किसी डर के आत्मरक्षा कर सकती हैं। इसके साथ ही, साइबर एक्सपर्ट्स ने साइबर सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर छात्राओं को जागरूक किया। उन्होंने साइबर अपराधों जैसे कि ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया हैकिंग, फिशिंग अटैक, बैंकिंग फ्रॉड आदि से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक गणेश राज बंसल ने कहा कि वर्तमान समय में आत्मरक्षा और साइबर सुरक्षा दोनों ही अत्यंत महत्वपूर्ण विषय हैं। लड़कियों को आत्मरक्षा के गुर आना चाहिए, जिससे वे किसी भी स्थिति में अपनी रक्षा कर सकें। साथ ही, इंटरनेट और डिजिटल दुनिया में बढ़ते साइबर क्राइम को रोकने के लिए जागरूकता बहुत जरूरी है।

अग्र सेवा समिति परिवार ने गौवंश को 36 सवामणी खिलाया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सिद्धपीठ श्री झांकी वाले बालाजी महाराज की प्रेरणा से अग्र सेवा समिति, युवा अग्र सेवा समिति तथा महिला अग्र सेवा समिति परिवार द्वारा स्थाई गौ सेवा प्रकल्प के तहत गौवंश को गौ आहार की 36 सवामणी खिलाकर सेवा कार्य किया गया। अध्यक्ष किशन खारीवाल ने बताया कि सुखाडि?ा सर्किल स्थित श्रीगौशाला में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धाभाव से गौवंश को 33 सवामणी हरा चारा, एक सवामणी गुड़ व दो सवामणी फलों की खिलाई गई। तत्पश्चात् श्रीगौशाला प्रांगण स्थित पक्षी विहार में पक्षियों को 2 सवामणी दाना-चुग्गा खिलाया गया। इस सेवा कार्य में समाजसेवी अशोक चांडक, नगर परिषद पूर्व सभापति श्रीमती करूणा चांडक, संदीप चांडक व अर्जुन चांडक द्वारा हरे चारे की 33 सवामणी का सहयोग दिया गया एवं दाना-चुग्गा की एक सवामणी लड्डु गोपाल के निमित्त गुप्तदान द्वारा खिलाई गई तथा अग्र सेवा समिति परिवार सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक सहयोग प्रदान किया। श्री खारीवाल ने बताया कि सेवा कार्यों की श्रृंखला को अनवरत जारी करते हुए 'नर सेवा-नारायण सेवा' की भावना से राजकीय चिकित्सालय स्थित अन्नपूर्णा रसोई में 18 फरवरी, मंगलवार को मरीजों व उनके परिजनों को भोजन प्रसादी खिलाई गई। उन्होंने बताया कि समिति सदस्य माया-जगत गोयल द्वारा सुपौत्र विधान गोयल के जन्मदिवस उपलक्ष्य उक्त सेवा कार्य करके अनुकरणीय मिसाल पेश की गई है, जिसकी मरीजों व उनके परिजनों द्वारा मुक्तकंठ से सराहना करते हुए शुभाशीष दिए गए।

अध्यक्ष किशन खारीवाल ने अग्र समिति परिवार की आगामी सेवा गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसी श्रृंखला में शिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में 23 फरवरी, रविवार को गोवंश को 44 सवामणी हरा चारा व पक्षियों को एक सवामणी दाना-चुग्गा खिलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह गौ सेवा प्रकल्प के तहत गौमाता को हरा चारा, गुड़ व केले, फल आदि खिलाने के साथ-साथ पक्षियों को दाना-चुग्गा खिलाया जाता है। नियमित रूप से चल रहे गौ सेवा प्रकल्प के तहत गौवंश के लिए गुड़ व हरे चारे तथा पक्षी विहार में पक्षियों के लिए दाना-चुग्गा की सवामणी लगाने के इच्छुक गौभक्त व जीव प्रेमी समिति परिवार अध्यक्ष किशन खारीवाल मो.नं. 9413376500 से सम्पर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर किशन खारीवाल, नितिन खारीवाल, योगेश मंगल, अनमोल सिंघल, प्रिन्स गोयल, जगत गोयल, दिनेश गुप्ता, विपुल गर्ग, पवन गर्ग, संदीप चांडक, अर्जुन चांडक, रोहित अग्रवाल, लविश खारीवाल सहित सहित अग्र सेवा समिति, युवा अग्र सेवा समिति तथा महिला अग्र सेवा समिति परिवार पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

पति बात करने से टोकता था, पत्नी ने मार डाला

जनमार्ग न्यूज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ के मरवाही जिले में एक पत्नी ने चरित्र शंका से परेशान होकर अपने पति की हत्या कर दी। घोरेलाल पुरी (56) अपनी पत्नी वेदकुंवर पुरी (55) को किसी से भी बात करने पर टोका टाकी करता था, चरित्र पर शक करता था जिससे दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। घटना बघर्रा गांव के ललमटियाटोला की है। मरवाही थाना पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात जब पति सो रहा था तभी पत्नी ने टांगिया से उस पर 2 बार हमला कर दिया। हत्या के बाद पत्नी खुद थाने पहुंची और बोली की मैंने अपने पति को मार दिया है। सोमवार को दोनों पति-पत्नी अपने पड़ोसी धनीराम के घर छठी कार्यक्रम में शामिल होकर लौटे थे। घर आने के बाद घोरेलाल ने धनीराम के घर आए मेहमानों के साथ वेदकुंवर के संबंधों को लेकर शक जताया, जिस पर दोनों में तीखी बहस हुई। विवाद के बाद जब घोरेलाल कमरे में सोने चला गया, तब गुस्से में आई वेद कुंवर ने घर में रखी टांगिया से उसके गले पर दो वार कर दिए, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी वेद कुंवर सीधे थाने पहुंची और अपना जुर्म कबूल कर लिया। एडिशनल एसपी ओम चंदेल के मुताबिक, पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। महिला ने थाने आकर बताया कि उसने अपने को मार डाला है। मारने का कारण बताते हुए आरोपी बोली कि लगातार चरित्र शंका करते थे, किसी से भी बात करने पर टोका टाकी करते थे, इस बात से व्यथित होकर उसने टांगिया से मार दिया। और मामले की आगे की जांच जारी है। परिवार के अन्य लोगों से भी पुलिस पूछताछ कर रही है।

विधायक गेदर ने राजकीय चिकित्सालय में डेंटल चेयर के लिए 1लाख 50 हजार देने की घोषणा की

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। विधायक डूंगर राम गेदर ने राजकीय चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्था सुधारने का निर्देश देते हुए डेंटल चेयर के लिए विधायक कोटे से 1लाख 50 हजार रुपए राशि देने की घोषणा की।

विधायक डूंगर राम गेदर, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष परसराम भाटिया, युवा नेता योगेश मेघवाल, जिला महामंत्री जेपी गिला ने राजकीय चिकित्सालय का निरीक्षण करके सफाई व्यवस्था सुधारने के अलावा सूर्योदय नगरी डिस्पेंसरी पर चिकित्सकों के नहीं आने के मामले को लेकर रोष प्रकट करते हुए शिवबाड़ी के पास डिस्पेंसरी के चिकित्सक पुलकित छाबड़ा की अनियमितता के कारण मरीजों को हो रही परेशानी को देखते हुए उसकी जगह किसी दूसरे चिकित्सक को लगाने की बात कही। चिकित्सालय प्रभारी डॉक्टर नीरज सुखीजा ने इस संबंध में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मामले के बारे में अवगत कराया, विधायक डूंगर राम गेदर ने सीएमएचओ से दूसरे चिकित्सक को लगाने की बात कही।

विधायक डूंगर राम गेदर सहित नेताओं ने राजकीय चिकित्सालय के चिकित्सकों के चेंबर में पहुंचकर जानकारी लेने पर वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉक्टर सुभाष महर्षि ने डेंटल चेयर नहीं होने के कारण मरीजों को हो रही परेशानी के बारे में विधायक को अवगत कराया तो विधायक गेदर ने डेंटल चेयर के लिए विधायक कोटे से डेढ़ लाख रुपए देने की घोषणा करते हुए इसके अलावा और राशि उपलब्ध कराने की बात कही। विधायक डूंगर राम गेदर ने टीम सहित अस्पताल में भर्ती मरीजों से चिकित्सा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। अस्पताल की सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने और सफाई कर्मचारियों के मौजूद नहीं होने पर विधायक डूंगर राम गेदर ने सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए निर्देश दिए। अस्पताल प्रभारी डॉक्टर नीरज सुखीजा ने विधायक डूंगर राम गेदर का आभार प्रकट करते हुए सूर्योदय नगरी डिस्पेंसरी में दूसरे चिकित्सक को लगाने और सफाई व्यवस्था में सुधार लेने की बात कही।

पूर्व विधायक गंगाजल मील के नेत्रदान, मरणोपरांत भी देखेंगी दुनिया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सूरतगढ़ के पूर्व विधायक गंगाजल मील के मरणोपरांत नेत्रदान करवाए गए हैं। अब उनके बाद भी उनकी आंखें इस दुनिया को देखती रहेंगी।

डॉ. एस. एस. टांटिया मेमोरियल आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजकुमार जैन ने बताया कि पूर्व विधायक मील के श्रीगंगानगर में निधन का समाचार मिलने के बाद संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष तरसेम गुप्ता व कोषाध्यक्ष हरिओम लूथरा ने उनके परिवारजनों से सम्पर्क किया तो उनके भतीजे कृष्णलाल मील, पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मील तथा पुत्र महेंद्र मील ने नेत्रदान के लिए सहमति जताई। इस पर आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के टेक्निशयन अनुराग सारस्वत ने कॉर्निया उत्सारित किया। गंगाजल मील सदैव प्रगतिशील सोच और समय के साथ चलने वाले व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। उनके परिवारजनों ने भी समय की मांग के अनुरूप नेत्रदान करवाकर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी ने सभी से आग्रह किया है कि वे मानव सेवा की भावना के चलते मरणोपरांत नेत्रदान की मुहिम में शामिल हों तथा मरणोपरांत नेत्रदान के इच्छुक परिवार की सूचना मोबाइल नंबर 9773374692 पर दें।

मजहबी सिख समाज की बैठक आयोजित, चिंतन सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। जंक्शन स्थित अंबेडकर भवन में मजहबी सिख समाज की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी 16 मार्च 2025 को होने वाले रंगरेटे गुरु के बेटे –दशा और दिशा विषय पर चिंतन सम्मेलन की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया गया और इसकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अखिल राजस्थान मजहबी सिख महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं ऑल इंडिया मजहबी सिख वेलफेयर एसोसिएशन के राजनीतिक विंग के चेयरमैन सरदार जसविंदर सिंह धालीवाल ने कहा कि मजहबी सिख केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जिसने सिख धर्म की रक्षा और उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इस समाज के वीरों ने अमर शहीद शिरोमणि जरनैल बाबा जीवन सिंह, शहीद बाबा दीप सिंह, अकाली फूला सिंह, शिरोमणि जरनैल हरी सिंह नरुआ, भाई वीर सिंह और धीर सिंह जैसे महान योद्धाओं को बलिदान कर दिया।

हालांकि, उन्होंने चिंता जताई कि इतिहास में इतना बड़ा योगदान देने के बावजूद मजहबी सिख समाज आज राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि समाज की सामाजिक जड़ें मजबूत नहीं होंगी, तो राजनीतिक, प्रशासनिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से भी प्रगति संभव नहीं होगी। इसलिए, समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। चिंतन सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली कांग्रेस पार्टी के प्रभारी, पूर्व विधायक और पंजाब के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सरदार सुखविंदर सिंह डैनी शामिल होंगे। बैठक में कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखे, जिनमें सरदार संविद्र सिंह सिरसा (ऑल इंडिया मजहबी सिख वेलफेयर एसोसिएशन के कोऑर्डिनेटर), सरदार बैसाखा सिंह (अमर शहीद बाबा जीवन सिंह वेलफेयर सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष), बाबा हरजिंद्र सिंह खालसा (सिख विरसा दल के मुखी), सरदार सुखचैन साह एडवोकेट (श्रीगंगानगर जिला अध्यक्ष), सरदार जंटा सिंह (हनुमानगढ़ जिला अध्यक्ष), पवनदीप सिंह एडवोकेट (ब्लॉक अध्यक्ष, सरपंच यूनियन), सरदार मनदीप सिंह नाहर, सरदार जगदेव सिंह सिद्धू, सरदार चरणजीत सिंह धालीवाल, सरदार इंद्रजीत सिंह, दर्शन सिंह रंधावा, ग्रंथी सतवीर सिंह, सरदार सुरेंद्र सिंह, सरदार सुखमंद्र सिंह गिल, डॉ. गुरमेल सिंह, सरदार तरसेम सिंह रंधावा, सरदार गुरदास सिंह, सरदार हरमेश सिंह आदि ने संबोधित किया। बैठक के अंत में सरदार जसविंदर सिंह धालीवाल ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद किया और समाज को संगठित होकर कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह चिंतन सम्मेलन समाज के उत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नई दिशा तय करेगा।

पिकअप और बाइक की आमने-सामने टक्कर, पिता-पुत्र की मौत

- बलरामपुर में अपने काम से निकले थे, तेज रफ्तार वाहन ने ठोका; चालक गंभीर

बलरामपुर। बलरामपुर जिले में एक सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। सोमवार को कोल्हुआ गांव में पिकअप और बाइक की आमने-सामने टक्कर हुई। घटना में पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। वाड्रफनगर थाना पुलिस ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप चालक राजबली वाहन के शीशे को तोड़ते हुए बाहर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक, कोल्हुआ निवासी पिता-पुत्र अपने किसी काम से बाइक पर सवार होकर निकले थे। हादसे में पुत्र रामविचार (22) की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उनके पिता विजय (45) ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है और पिकअप चालक के बयान दर्ज किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही सामने आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यातायात नियमों के उल्लंघन और तेज रफ्तार से यह हादसा हुआ है। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। पुलिस ने मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शिवाय अपहरणकांड: विशाखापट्टनम में बदमाशों की तलाश

मामा के घर से 500 मीटर की दूरी पर बंधक बनाकर रखा था कारोबारी का बेटा

ग्वालियर। ग्वालियर के चर्चित शक्कर कारोबारी के बेटे शिवाय के अपहरण में शामिल दोनों मुख्य आरोपी पुलिस के हाथ नहीं आए हैं। इस मामले में मुरैना पुलिस ने हाल ही में मास्टर माइंड सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था, लेकिन अब भी दो आरोपी फरार हैं। पुलिस इनकी तलाश में विशाखापट्टनम और चंबल में टीमें भेज चुकी है।

पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि शिवाय को उसके सगे मामा के घर से महज 500 मीटर की दूरी पर एक मकान में बंधक बनाकर रखा गया था। बदमाशों का इरादा 50 लाख से एक करोड़ रुपए तक की फिरौती मांगने का था। इन आरोपियों ने इस अपहरण की योजना पिछले दो महीनों से बनाई थी और एक दर्जन से अधिक बार इसकी रिहर्सल की थी।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने योजना के तहत शिवाय को मामा के घर के पास रखा ताकि किसी भी अपडेट को बदमाश आसानी से प्राप्त कर सकें। हालांकि, ग्वालियर पुलिस की सक्रियता के कारण इनका पूरा प्लान विफल हो गया।

ग्वालियर पुलिस ने अब फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया है। मुरार थाना प्रभारी एमएम मालवीय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को पूछताछ के लिए प्रोडक्शन वारंट पर लाया जाएगा और फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है।

भाकिसं ने गेहूं पकाव के लिए अतिरिक्त बारी सिंचाई पानी देने की मांग

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भारतीय किसान संघ, श्रीगंगानगर के शिष्टमंडल ने सोमवार को जिलाध्यक्ष इंजि. बलदेव सिंह के नेतृत्व में अति. जिला कलेक्टर के माध्यम से केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल एवं राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेजकर राजस्थान की तीनों नहर परियोजनाओं राजस्थान कैनाल, भाखड़ा कैनाल व गंग कैनाल में गेहूं पकाव हेतु पौंग डेम का लेवल घटाकर किसानों को एक अतिरिक्त बारी सिंचाई पानी की देने की मांग की है। शिष्टमंडल में प्रदेश पर्यावरण प्रमुख रामकुमार खिलेरी, जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह, महामंत्री अशोक जाखड़ व प्रमोद गोदारा, कोषाध्यक्ष कुलजीत सिंह, उपाध्यक्ष रामसिंह बिश्नोई, जिला प्रचार मंत्री अजीत सिंह भाटी, संभाग सह मंत्री भूप ताखर, तहसील अध्यक्ष सादुलशहर विनोद दुलपुरा, निर्मल सिंह, परीक्षित बिश्नोई सहित भारतीय किसान संघ पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे।

भारतीय किसान संघ पदाधिकारियों व सदस्यों ने कहा कि राजस्थान में गेहूं की बुवाई बड़े स्तर पर हुई है। वर्तमान में तापमान बढ़ने के कारण पानी की अत्यंत आवश्यकता है, परंतु डैम में कम पानी का हवाला देकर राजस्थान कैनाल में सिंचाई का पानी काटकर केवल पेयजल का पानी दिया जा रहा है। वहीं, भाखड़ा कैनाल में भी 4 मार्च से सिर्फ पीने के लिए पेयजल ही दिया जाएगा तथा गंग केनाल में भी पूरा पानी नहीं चल रहा है। पोंग डैम के लेवल को कम किए बिना सिंचाई पानी मिलना मुश्किल हो रहा है। पूर्व के वर्षो में भी डैम भराव क्षमता कम होने पर डैम का लेवल 1275 से 1280 फीट तक लाने की अनुमति देकर सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध करवाया था। वर्तमान में भी वैसी ही परिस्थितियां है। इसलिए क्षेत्र में रबी सीजन की फसलों को बचाने के साथ-साथ किसानों को बड़े आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए अविलम्ब आवश्यक कदम उठाने आवश्यक हैं।

भारतीय किसान संघ ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री तथा मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार से मांग की है कि केंद्र सरकार द्वारा बीबीएमबी की बैठक बुलाकर पोंग डैम का लेवल 1275 फीट तक नीचे ले जाने की अनुमति दी जाए, सरहिंद फीडर के क्लोजर को निर्धारित 28 फरवरी तक समय पर पूरा करवाया जाए, 25 फरवरी को पोंग डैम से पानी छोड़ा जाए जो 28 फरवरी को क्लोजर खत्म होते ही हरिके बैराज तक पहुंच जाए जिससे 3 मार्च तक राजस्थान के मसीतावाली हैड तक पानी पहुंच कर सिंचाई हेतु उपलब्ध हो सके तथा राजस्थान को 4 मार्च से 20 मार्च तक आईजीएनपी में 4 में से दो ग्रुप का पानी एवं भाखड़ा में दो में से एक ग्रुप का पानी व गंग कैनाल में एक बारी पानी उपलब्ध करवाया जाए, ताकि किसानों की फसल बच सके तथा किसानों को राहत मिल सके।

न्यायालय आदेश की अवहेलना पर विभागीय कार्रवाई की मांग

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। सूरतगढ़ वितरिका वितरण समिति के अध्यक्ष मोहम्मद रफी ने मुख्य अभियंता, परियोजना अधिकारी, जल संसाधन विभाग, हनुमानगढ़ को ज्ञापन सौंपकर न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने वालों पर विभागीय कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि न्यायालय के स्थगन आदेश के बावजूद कुछ व्यक्तियों द्वारा उनके पद से हटाने की झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं, जो पूरी तरह से विधि-विरुद्ध है।

मोहम्मद रफी ने अपने ज्ञापन में स्पष्ट किया कि वे सूरतगढ़ वितरिका वितरण समिति के विधिवत मनोनीत अध्यक्ष हैं। जब कुछ लोगों ने उन्हें पद से हटाने का प्रयास किया, तो उन्होंने इसके खिलाफ सिविल न्यायालय में वाद दायर किया। इस वाद में प्रस्तुत स्थगन प्रार्थना पत्र के आदेश के विरुद्ध उन्होंने न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश संस्था-2 में विविध दीवानी अपील दायर की थी। इस अपील पर सुनवाई के दौरान, 17 दिसंबर 2024 को न्यायालय ने उन्हें अध्यक्ष पद से हटाने का आदेश पारित कर दिया।

मोहम्मद रफी के अनुसार, यह आदेश पूरी तरह से विधि-विरुद्ध था, क्योंकि यह वितरण समिति के अन्य सदस्यों के राजनीतिक दबाव में पारित किया गया था, जबकि मामला न्यायालय में विचाराधीन था। इस आदेश के खिलाफ उन्होंने राजस्थान उच्च न्यायालय में ÷एस.बी. सिविल रिट पेटीशन संख्या 833/2025÷ दायर की। उच्च न्यायालय ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए 14 फरवरी 2025 को स्थगन आदेश पारित कर 17 दिसंबर 2024 के आदेश को निलंबित कर दिया।

उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया किः न्यायालय ने 17 दिसंबर 2024 के आदेश को स्थगित कर दिया और यह भी स्पष्ट किया कि इस आदेश के प्रभाव में कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी।

विभागीय कार्रवाई की मांग

मोहम्मद रफी ने अपने ज्ञापन में इस बात पर नाराजगी जताई कि न्यायालय के आदेश के बावजूद कुछ लोगों द्वारा उन्हें पद से हटाने और उनकी अध्यक्षता को लेकर गलत सूचनाएँ प्रसारित की जा रही हैं। उन्होंने मांग की कि उन्हें उनके पद पर पुनः बहाल किया जाए और न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने वालों पर कठोर विभागीय कार्रवाई की जाए।

रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग को लेकर हनुमानगढ़ रेल विकास संघ की ओर से महाप्रबंधक के नाम स्टेशन अधीक्षक जगत नारायण चौधरी को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें बताया कि पूर्वांचल वासियों को अपने गृह राज्य में आवागमन में आ रही समस्याओं के समाधान करवाने और गोगामेड़ी धाम आने वाले लाखों श्रद्धाओं को सीधी रेल सुविधा उपलब्ध करवाने की मांग की। नगर मंडल अध्यक्ष प्रकाश तंवर ने बताया कि दिल्ली जंक्शन से कामाख्या के मध्य संचालित होने वाली गाड़ी संख्या 15657/15658 ब्रह्मपुत्र मेल है जो दिल्ली जंक्शन पर 19 घंटे के लगभग खड़ी रहती है उसे हनुमानगढ़ तक बढ़ाया जाए। जबलपुर से हजरत निजामुद्दीन के मध्य संचालित होने वाली गाड़ी संख्या 12192/12192 श्रीधाम एक्सप्रेस है जिसका विस्तार एक अतिरिक्त रैक कि सहायता से रेवाड़ी सादुलपुर गोगामेड़ी के रास्ते हनुमानगढ़ जंक्शन तक

किया जाए। आनंद विहार टर्मिनल से दरभंगा के मध्य द्विसाप्ताहिक संचालित होने वाली गाड़ी संख्या 15557/15558 अमृत भारत एक्सप्रेस का विस्तार ढ्ढत्रञ्जञ्जष्ट 2023 में शामिल किया गया था इसे पुनः ढ्ढत्रञ्जञ्जष्ट 2025 में शामिल कर हिसार भटिंडा मंडी डबवाली संगरिया के रास्ते हनुमानगढ़ जंक्शन तक विस्तार दिया जाना चाहिए।श्रीगंगानगर से चलकर तिलकब्रिज ट्रेन में एक्सप्रेस वाली कोई सुविधा नहीं है इसलिए इस गाड़ी को सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस के साथ मर्जर करके श्रीगंगानगर से अलीपुर द्वार के मध्य संचालित किया जाए। हनुमानगढ़ रेल विकास संघ के अध्यक्ष विशु वर्मा ने कहा कि हनुमानगढ़ में टर्मिनल सुविधाएं शुरू होने वाली हैं लेकिन सिर्फ मेंटेनेंस करवाने के उद्देश्य से किसी भी गाड़ी का विस्तार नहीं किया जाना चाहिए बल्कि ऐसी गाड़ी आए जो आम जनता के अनुकूल हो आम जनता और यात्रियों को लाभहो और रेलवे को भी आय हो। गाड़ी भले ही कम मिले लेकिन आम जनता के अनुकूल मिले अन्यथा सिर्फ मेंटेनेंस के उद्देश्य से गाड़ियों कि गिनती बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधि मंडल में गया प्रसाद, सनी ग्रोवर, केशव पाल, भीम, लाल बाबू, रमेश कुमार, इंदर जीत, संतोष कुमार आदि मौजूद थे।

स्वास्थ्य सर्जिकल महाकुंभ 19 से

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। स्थानीय शिव चौक स्थित एपैक्स पीएमजी हॉस्पिटल श्रीगंगानगर निशुल्क स्वास्थ्य सर्जिकल महाकुंभ शुरू करने जा रहा है जिसकी शुरुआत 19 फरवरी से होगी और यह 23 फरवरी तक जारी रहेगा इस महाकुंभ का समय प्रातः 10 से 2 बजे तक रहेगा इस स्वास्थ्य सर्जिकल महाकुंभ के विस्तृत जानकारी देते हुए डॉक्टर पुलकित ठठ ई,

डॉक्टर शिवानी गर्ग व डॉक्टर आशीष राय बिश्नोई ने बताया कि इस महाकुंभ में ओपीडी फीस नहीं ली जाएगी इसके साथ ही लैब संबंधी जांचों पर 25प्रतिशत की छूट और आईपीडी पर 10प्रतिशत की विशेष छूट भी दी जाएगी साथ ही तमाम दवाओं पर भी विशेष छूट दी जाएगी उन्होने ने बताया कि हमारे हॉस्पिटल का उद्देश्य मरीज को जागरूक करना है और कम से कम दामों पर मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्साएं उपलब्ध कराना है एपैक्स स्पेशलिटी के श्रीगंगानगर के सेंटर हेड रमनदीप सिंह ने बताया कि अस्पताल में सभी सरकारी स्कीम जैसे आयुष्मान ई एस आई, टीपीए आदि के अंतर्गत निशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध है

सत्संग भवन में लंगर लगाया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगुरु अर्जुन दास सत्संग भवन के संस्थापक एवं श्री रूद्र हनुमान सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गुरु अर्जुन दास जी द्वारा रविवार को सत्संग भवन में 629 वा लंगर लगाया गया। लंगर में केसर युक्त दूध, मेवे युक्त खीर व फल के प्रसाद का श्री रुद्र हनुमान जी को भोग लगाकर वितरण किया गया। समिति द्वारा सेवाएं श्री गुरु अर्जुन दास, हुकुम देवी, संगठन मंत्री सतपाल कोर, अनुज मल्होत्रा, पंडित नरेश शर्मा, आशा रानी, सुभाष छाबड़ा, राजेश अंगी, एम डी सतीश, राजरानी, दिया, खुशी, निशा, मीकीं नवनीत मलोट, साहिल, देवेंद्र, संजू,नेते वाले महावीर प्रसाद जगतार सिंह, सिद्धू, पूनम,महेंद्र भटेजा व अन्य सदस्यों द्वारा दी गई। सभी ने तन मन से सेवा दी। श्री गुरु अर्जुन दास जी महाराज द्वारा चिंता और चिंतन में फर्क बताते हुए कहा गया कि ÷किसी एक बात को पकड़ कर लगातार दुखी होते रहना चिंता

है और उसी प्रकरण को लेकर सही दिशा में सोचने की प्रक्रिया का नाम है चिंतन। चिंता भटकाव है, चिंतन रास्ता है। चिंता का समाधान सिर्फ चिंतन है। चिंता के दाह पर चिंतन चंदन का लेप है। आज के युग में हम सीमेंट, लोहे के बने मकानों में नहीं, चिंता के घर में सांस लेते हैं। सुबह जागने से लेकर सोने तक व्यापार में हानि-लाभ, संतान का पालन-पोषण, उनकी शिक्षा-दीक्षा, अपने और परिवार के स्वास्थ्य की चिंता नाना प्रकार की उलझनों में घिरे रहते हैं। जो मिल गया उसकी देखभाल और जो नहीं मिला, उसे पाने की ललक में जीवन जीना छोड़कर खोने और पाने की चिंता के भंवर में डूबते उतरते रहते हैं। इन सारी चिंताओं में डूबे रहने से हमारे आने वाले दुख में तो कभी कोई कमी नहीं होती लेकिन चिंताओं की चिंता करने से हमारे आज के सुख में, उल्लास में कटौती जरूर हो जाती है। चिंता मन को खोखला बना देती है, जबकि चिंतन जीवन को व्यवस्थित करना सिखाता है। अगर जीवन में चिंतायें अपरिहार्य हैं तो प्रकृति ने उनका निराकरण भी हमें दिया है।हमारी श्रेष्ठता का सबसे बड़ा कारण यही है कि दूसरे जीव अपने-आपको बदल नहीं सकते।

साप्ताहिक श्री भागवत कथा का शुभारंभ

चूनावढ। कस्बे के तकिया डेरा की शनि मंदिर प्रांगण में सोमवार को साप्ताहिक श्री भागवत कथा का शुभारंभ किया गया पंडित ताराचंद शास्त्री ने विधिवत रूप से पूर्व सरपंच जगदीश घणघस व दौलत घणघस द्वारा पूजा अर्चना करवा कर गुरु आरती कर कथा का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर पहले दिन कथा वाचक पंडित ताराचंद शास्त्री ने प्रसंग सुना कर संगत को निहाल किया मंदिर के पुजारी संजय कुमार ने बताया कि प्रतिदिन 12 से 3¬30 बजे व शाम 7¬30 से 9¬30 बजे तक नानी बाई का मायरा सुनाया गया आगामी रविवार को कथा का समापन होगा इस अवसर पर पूर्व सरपंच जगदीश घणघस काशीराम चाहर ओमप्रकाश महला ,दौलत राम घणघस सहित अन्य सेवादार मौजूद थे।

अश्व मेले में दिखा राजकरण का जलवा, 21 को होगी अश्व नृत्य प्रतियोगिता

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। अश्व व पशुपालक सेवा समिति द्वारा आयोजित अश्व मेले का तीसरा दिन उत्साह और रोमांच से भरपूर रहा। दूर-दराज से आए शानदार नस्ल के अश्व और पक्षी इस मेले में आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

मेले में सबसे अधिक चर्चा का विषय बना मारवाड़ी नस्ल का घोड़ा 'राजकरण', जिसकी उम्र मात्र साढ़े चार वर्ष है और जिसकी ऊंचाई 64 इंच है। राजकरण के मालिक गुरबाज सिंह, जो कि पंजाब के फाजिल्का जिले के घोड़ेयान गांव से आए हैं, ने बताया कि राजकरण काले कांटे का बच्चा है, जो इसे अन्य घोड़ों से अलग बनाता है। इसकी सुंदरता और शारीरिक बनावट के चलते यह मेले में सभी की निगाहों का केंद्र बना हुआ है। गुरबाज सिंह ने बताया कि वह अश्व पालन को बढ़ावा देने के लिए निशुल्क स्टड सेवा प्रदान करते हैं। हालांकि, इस प्रक्रिया के दौरान वह एक शर्त रखते हैं कि घोड़े के मालिक को घोड़े की नियमित रूप से कसरत

करानी होगी और उसे पोषक आहार देना होगा। उनका मानना है कि इससे न केवल घोड़े लंबे समय तक स्वस्थ रहेंगे बल्कि अच्छी नस्ल के घोड़ों का पालन-पोषण भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। उनके इस प्रयास से आम लोग भी बढ़िया नस्ल के घोड़ों का पालन कर सकते हैं और अश्वपालन को बढ़ावा मिल सकता है।

समिति अध्यक्ष रिछपाल सिंह मान ने बताया कि 16 से 19 फरवरी तक मेले में डिस्प्ले प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न घोड़ों की सुंदरता, विशेषताओं और उनके शारीरिक गठन को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद, 20 फरवरी को छोटी व बड़ी चाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें घोड़ों की चाल, प्रशिक्षण क्षमता और संतुलन का परीक्षण किया जाएगा। इस बीच, 21 फरवरी को मेले का सबसे रोमांचक आकर्षण अश्व नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता को लेकर अश्वपालकों और घुड़सवारी प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

भाजपा जिलाध्यक्ष का स्वागत

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। 17 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रमोद डेलू का टाऊन नई अनाज मण्डी स्थित भाजपा नेता संजय जैन के प्रतिष्ठान मैसर्स बहादुर चंद संजय कुमार जैन पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान संजय जैन, पुष्प जैन, एमआरजी ग्रुप के विजय कुमार गोयल ने माला पहनाकर भाजपा जिलाध्यक्ष का स्वागत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू ने कार्यक्रम के दौरान पुष्प जैन को विवाह की बधाई दी। स्वागत कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू ने व्यापारियों के समक्ष पेश आ रही समस्याओं को लेकर सरकार को अवगत करवाने तथा समस्याओं का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। सम्मान समारोह में दिनेश जैन, राजकुमार मित्तल, बाबूलाल बांठिया, राजकुमार छाबड़ा, महेश जैन, अशोक लाटा, सुशील जाखड़, विनोद पूनियां, अंजनी चाचाण, मोहित जैन, कमल जैन, मन मोहन जिंदल, जनेश्वर जैन, सुभाष पारीक आदि लोग उपस्थित थे।

हरियाणा में भूकंप के झटके: गुरुग्राम-रोहतक समेत 5 जिलों में असर

चंडीगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। हरियाणा में सोमवार सुबह करीब 5:36 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। 5 जिलों सोनीपत, रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद और झज्जर के बहादुरग? में इसका असर दिखा। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई है।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप का केंद्र नई दिल्ली था। इसकी गहराई पांच किलोमीटर बताई गई है। वहीं ढाई घंटे बाद सुबह 8 बजे बिहार के सिवान में भी भूकंप आया। यूपी के 16 जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

भूकंप के तेज झटकों से कई इलाकों में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। लोगों ने कहा ट्रेन जैसा वाइब्रेशन हुआ। हालांकि, अब तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

इसको लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट डालकर लिखा- दिल्ली और आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। सभी से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने की अपील की जाती है। इसके साथ ही संभावित झटकों के प्रति भी सतर्क रहने की जरूरत है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी की पोस्ट...

हर 2-3 साल में आते हैं छोटे झटके: एक अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि इसका केंद्र धौलाकुंआ स्थित दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास था। अधिकारियों के अनुसार, इस क्षेत्र में हर दो से तीन साल में हल्के झटके महसूस किए जाते हैं। इससे पहले 2015 में यहां 3.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। भूकंप के साथ एक तेज आवाज भी सुनाई दी, जिससे कई लोग डर गए।

एमपी में टेम्परेचर 33ए पार, 4 दिन ऐसा ही मौसम

जनमार्ग न्यूज

भोपाल। मध्यप्रदेश में दिन का टेम्प्रेचर 33 डिग्री के पार पहुंच गया है। सोमवार को नर्मदापुरम, खंडवा, मंडला और सिवनी सबसे गर्म रहे। वहीं, भोपाल-उज्जैन में भी तापमान 31 डिग्री से अधिक रहा। मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार रैकवार ने बताया, अगले 4 दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। 22-23 फरवरी से ठंड का तीसरा दौर आ सकता है। जिससे पारे में फिर गिरावट होगी। ठंड का असर खत्म होते ही भोपाल समेत प्रदेश के कई शहरों में स्कूलों की टाइमिंग बदल गई है। अब स्कूल सुबह 9 बजे की बजाय 7.30 बजे से लग रहे हैं। वहीं, दिन में जल्दी छुट्टी हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को प्रदेश के सभी शहरों में पारे में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी हुई।

मिशन 2025 वार्षिकोत्सव का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। जंक्शन, सेक्टर 12 स्थित सरस्वती बाल निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिकोत्सव मिशन 2025 बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस भव्य समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में शिक्षा, कला और संस्कृति के अद्भुत संगम की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री गणेश राज बंसल (विधायक, हनुमानगढ़), सभापति श्री सुमित राणा, ष्टष्ठश्वह्र श्री पन्नालाल कडेला एवं कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती मंजू रणवा द्वारा

किया गया। इसके अतिरिक्त पार्षद नगीना बाई, प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय, गौरव जैन, डॉ. शिप्रा शर्मा, जीडी शर्मा, संतोष राजपुरोहित, पंडित गिरिराज शर्मा, तरुण बंसल, डॉ. निशांत बात्रा, अरुण अग्रवाल, संजय गोयल, पवन सरावगी, ममता कौशिक सहित अनेक विशिष्ट अतिथि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

संस्था निदेशक भारत भूषण कौशिक ने अतिथियों का स्वागत किया एवं सभी का आभार व्यक्त किया। अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजलि कौशिक ने समारोह की सफलता के लिए समस्त स्टाफ एवं अभिभावकों का धन्यवाद किया।

विद्यालय के छात्रों ने इस अवसर पर गणेश वंदना, स्वागत गीत, राजस्थानी, गुजराती, महाराष्ट्रियन लोकनृत्य एवं देशभक्ति गीतों पर नृत्य कर दर्शकों का मन मोह लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों की प्रस्तुतियों को सभी ने सराहा। इन प्रस्तुतियों को विद्यालय की कोरियोग्राफर ज्योति रानी और गरिमा सेन ने निर्देशित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन आकांक्षा कौशिक एवं पदम गुप्ता ने किया, जिन्होंने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से पूरे समारोह को रोचक बना दिया। समारोह के अंतर्गत कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को तिलक लगाकर एवं आशीर्वाद देकर भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकों एवं अभिभावकों ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

टांटिया यूनिवर्सिटी के होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की टीम ने लगाया चिकित्सा शिविर

● 130 रोगियों की निःशुल्क जांच की

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की टीम ने पंजाब के गांव जंडवाला हनवंता में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर लगाया। डीन डॉ.चरणजीतसिंह ने बताया कि पंजाब सरकार के पशुपालन विभाग की ओर से साहिवाल काफ रैली ,मेले व सेमिनार का आयोजन किया गया था। इसमें श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज व अस्पताल की टीम ने होम्योपैथिक चिकित्सा के जरिए रोगियों की जांच की। निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर में कॉलेज के डॉ.आरके बिश्वास के निर्देशन में 130 रोगियों की जांच की गई। शिविर में टीम इंचार्ज डॉ. आर.के. विश्वास, डॉ. प्रदीपकुमार और इटर्नी रवि पटेल, विनोद व गोविंद मीना तथा विद्यार्थी अमित पूनार, तौफिक और तौफिक खान ने सेवाएं दीं। कॉलेज की टीम को पंजाब सरकार के पशुपालन विभाग की ओर से सम्मानित किया गया। आयोजन में पंजाब सरकार के वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. विशाल सिंह शेखावत, डॉ. अमित नैण, डॉ. प्रतीक गोदारा का विशेष सहयोग रहा।

सरकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक

● एसडीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश
● सात दिन में पेंशन के लंबित मामले निपटाने का आदेश

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। अनूपगढ़ में राजस्थान सरकार की सुशासन नीति को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए एसडीएम सुरेश राव ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उपखंड अधिकारी की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए। एसडीएम ने केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इनका व्यापक प्रचार-प्रसार करने और पात्र व्यक्तियों तक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की जिम्मेदारी पंचायत समिति विकास अधिकारी और सीडीपीओ को सौंपी गई। सुपोषित ग्राम पंचायतों की आंगनबाडियों में पाई गई कमियों को 5 दिन के भीतर दूर करने का आदेश दिया गया। किसानों के हित में कृषक साथी योजना के लंबित आवेदनों के शीघ्र निपटारे के साथ-साथ शहरी क्षेत्र में आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए नगर परिषद को विशेष अभियान चलाने को कहा गया। अतिक्रमण हटाने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग को और पेंशन धारकों के वार्षिक सत्यापन के लंबित मामलों को 7 दिन में निपटाने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को सुबह 9.30 बजे कार्यालय पहुंचने, ई-फाइल के माध्यम से काम करने और मूवमेंट रजिस्टर रखने के निर्देश दिए। साथ ही संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा।

छत से गिरने से व्यक्ति गंभीर घायल

चूरू (जनमार्ग न्यूज)। चूरू में बकरियों के लिए पेड़ से पत्ते तोड़ते समय एक 55 वर्षीय व्यक्ति छत से गिर गया। रामगढ़ के वार्ड नंबर दो के निवासी पवन कुमार मंगलवार को अपनी छत पर स्थित आडू के पेड़ से पत्ते तोड़ रहे थे, जब अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नीचे गिर पड़े। दुर्घटना में पवन कुमार के सिर, गर्दन और कमर में गंभीर चोटें आईं। परिजन तुरंत उन्हें रामगढ़ के स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिवार के सदस्य निजी वाहन से उन्हें डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ले गए।

जयपुर में निजी वाहन किराए पर देने की पाबंदी

● सेल्फ ड्राइविंग गाड़ी किराए पर देने के लिए लेना होगा लाइसेंस

जनमार्ग न्यूज

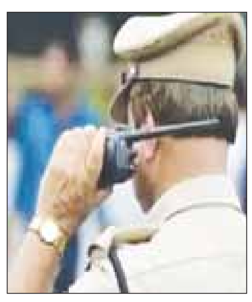

जयपुर। जयपुर में किराए पर गाड़ी लेकर रील बनाने, स्टंट करने और आपराधिक वारदातों में शामिल होने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। पुलिस ने बिना व्यक्ति या फर्म को बिना लाइसेंस सेल्फ ड्राइविंग के लिए वाहन रेंट का बिजनेस नहीं करने के आदेश दिए हैं। केंद्र सरकार की ओर से जारी रेंट ए कैब स्कीम 1989 का हवाला देते हुए सोमवार को एडिशनल कमिश्नर कानून-व्यवस्था डॉ. रामेश्वर सिंह ने आदेश जारी किए है। आदेश के बाद अब जयपुर में टैक्सी वाहनों को किराए पर देने के लिए लाइसेंस लेना होगा। इस लाइसेंस की वैधता 5 साल होगी। वैधता समाप्त होने से पहले लाइसेंस नवीनीकरण कराना होगा। इसके साथ ही जयपुर में निजी वाहनों को किराए पर देने की पाबंदी भी लगाई गई है। इन सब शर्तों का उल्लंघन करने पर व्यक्ति-फर्म के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। जयपुर व इसके आस-पास के इलाकों में इन दिनों सेल्फ ड्राइविंग कार व बाइक किराए पर देने का व्यापार जोरों पर था। इसमें प्राइवेट नंबर में बिना रजिस्ट्रेशन गाड़ियां शहर से लेकर अन्य जिलों तक दौड़ रही है। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, एज्यूकेशन हब में यह धंधा इन दिनों खूब चल रहा है। जिसमें प्राइवेट नंबर की कार को रूतबा दिखाने के लिए या फिर आपराधिक वारदात के लिए किराए पर लेकर लोग खुद चलाकर कहीं भी ले जा रहे थे। अब तक बिना रजिस्ट्रेशन या लाइसेंस के यह बिजनेस चल रहा है। लेकिन गत दिनों हुई शहर में आपराधिक वारदातों के बाद पुलिस ने इन पर लगाम लगाते हुए लाइसेंस अनिवार्य कर दिया है। अब बगैर टेक्सी नंबर और लाइसेंस यह गाडिया नहीं दौड़ सकेगी।

महाकुंभ से लौटने के दौरान हादसा, तीन की मौत

जनमार्ग न्यूज

भरतपुर। सास-ससुर, मां और चाची को कुंभ स्नान कराकर राजस्थान लौट रहे युवक की कार यूपी में हादसे का शिकार हो गई। कार में भरतपुर के एक ही परिवार के 5 लोग थे। हादसे में सास-ससुर और मां की मौत हो गई। युवक और उसकी चाची बुरी तरह घायल हो गए। हादसा सोमवार सुबह 6.30 बजे इटावा के जसवंतनगर में हुआ। आज भरतपुर में मृतकों का अंतिम संस्कार होगा। जानकारी के अनुसार कि नदबई थाना इलाका (भरतपुर) के उटारदा गांव निवासी मोहन सिंह (35) अपनी मां लीला देवी (65), सास कमलेश देवी (60), ससुर बच्चू सिंह (68) और चाची राजकुमारी (50) को कुंभ लेकर गए थे।

कंचा खेलने के विवाद में तलवारबाजी, 8 लोग घायल

जनमार्ग न्यूज

अजमेर। अजमेर में बच्चों के कंचे खेलने में हुई विवाद के बाद दो पक्ष भिड़ गए। आरोप है कि दोनों ओर से पत्थरबाजी और लाठी से हमला हुआ। मौके पर पहुंची गंज थाना पुलिस ने लोगों को समझाइश का प्रयास किया। इस बीच एक पक्ष के लोग बड़ी संख्या में थाने पहुंच गए। भीड़ और नारेबाजी को रोकने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगों को बाहर खदेड़ा। वहीं, इस घटना में दोनों पक्षों के करीब 8 लोग घायल हुए है। हालात न बिगड़ें इसके लिए 9 थानों का जाब्ता तैनात किया गया है। घटना लौंगिया क्षेत्र में सोमवार देर शाम की ही। लौंगिया मोहल्ला निवासी भारती ने बताया कि बच्चों के झगड़े को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने अपशब्द कहना शुरू कर दिया। तभी 30 से 40 लोगों ने परिवार पर हमला कर दिया। परिवार के कई लोगों के चोट आई है। हमला करने वाले लोगों के हाथ में तलवार, धारदार हथियार, लकड़ी, हॉकी और पत्थर थे। एक पक्ष की महिलाओं ने भी हमला किया है। करीब 7 से 8 लोग हमारे घायल हुए हैं। मदद के लिए पुलिस को कॉल किया था। पुलिस पर भी पत्थर फेंक कर हमला किया था। हमला करने वाले लोग विशेष समुदाय से जुड़े हुए हैं। गंज थाना प्रभारी महावीर सिंह ने बताया कि मौके पर शांति है और शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर में सुबह-सुबह बारिश, 9 जिलों के लिए अलर्ट

● जोधपुर व बीकानेर संभाग के कई इलाकों में बूंदाबांदी, ओले गिरने की चेतावनी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। जयपुर सहित प्रदेश के कई इलाकों में मंगलवार सुबह से ही हल्की बारिश का दौर चल रहा है। कई जिलों में बादल छाए हैं, जिससे बारिश के आसार हैं। इससे पहले सोमवार की देर रात जोधपुर, बीकानेर संभाग के जिलों (पाकिस्तान सीमा से सटे) में भी मौसम बदला और हल्की बारिश-बूंदाबांदी का दौर चला। आज (मंगलवार) 9 जिलों में बरसात का अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बदले इस मौसम का प्रभाव अगले दो दिन यानी 20 फरवरी तक देखने को मिल सकता है। 19 फरवरी के दिन इस सिस्टम का सबसे ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। इस दिन बीकानेर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं ओले भी गिरने की आशंका है। 30-40 चरूकी स्पीड से आंधी भी चलेगी। श्रीमाधोपुर और आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हल्की बारिश शुरू हुई। सुबह 8.30 बजे तक शहर में रुक-रुककर बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहा। तेज हवा चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सुबह बारिश के दौरान स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ा। फतेहपुर में मंगलवार सुबह की शुरुआत हल्की बूंदाबांदी से हुई। मौसम में ठंडक घुलने से तापमान में गिरावट आई है। 5.5 डिग्री की गिरावट के साथ न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री दर्ज किया गया है। नीमराना क्षेत्र में बारिश के आसार बने हुए हैं। आसमान में चारों तरफ बादल छाए हुए हैं। क्षेत्र का सुबह का न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। टोंक की दूनी तहसील के घाड़ पंचायत मुख्यालय पर हल्की माध्यम बारिश हुई।

सीआईडी सीबी के अधिकारी पर रेप का आरोप

जनमार्ग न्यूज

उदयपुर। उदयपुर में सीआईडी सीबी में तैनात पुलिस अधिकारी हरेंद्र सिंह सोदा (48) के खिलाफ युवती से रेप करने का मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित युवती (36) असिस्टेंट प्रोफेसर थी। हरेंद्र सिंह उदयपुर में भी सीआई रह चुके हैं। इसके बाद इनका तबादला डूंगरपुर हो गया था। वहां से फिर सीआईडी उदयपुर में आ गए हैं। आरोप है कि हरेंद्र सिंह ने युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए गए। डीजीपी के हस्तक्षेप के बाद उदयपुर के बड़गांव थाने में रिपोर्ट लिखी गई है। उधर, आरोपी पुलिस अधिकारी ने खुद पर लगे आरोपों को निराधार बताया है। रिपोर्ट में युवती ने लिखा है कि पुलिस अधिकारी रिपोर्ट की बात कहने पर कहता था कि मेरा बाल बांका नहीं होगा। थाने में एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई। ऐसे में मैं जनवरी में जयपुर में जाकर डीजीपी के सोमन पेश हुई। वहां आईजी रैंक के अधिकारी ने पीड़ा सुनी और बड़गांव थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। मामले की जांच डीएसपी कैलाश चन्द्र को सौंपी गई है।

अवैध मादक पदार्थ अफीम सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

● पुलिस थाना राजियासर की कार्यवाही

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन व जिला पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में युवाओं को नशे की दलदल से बाहर निकालने के लिए चलाये जा रहे ऑपरेशन सीमा संकल्प के साथ-साथ जिला पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थो, अवैध हथियारों व अपराधियों की धरपकड हेतु विशेष अभियान के तहत कार्यवाही की जा रही है। इसी अभियान के तहत राजियासर थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक सतीश कुमार ने दौराने गश्त आरोपी पवन कुमार पुत्र बेगराज निवासी साबनिया, पुलिस थाना महाजन जिला बीकानेर, रमेश कुमार पुत्र विष्णु दत्त निवासी डाबला पुलिस थाना जैतसर श्रीगंगानगर के कब्जे से 450 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद कर आरोपीगण को गिरफ्तार किया, जिस पर पुलिस थाना राजियासर में आरोपीगण के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर जांच सूरतगढ़ शहर पुलिस थाना के उपनिरीक्षक नगेन्द्र सिंह को सौंपी है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सतीश कुमार, कांस्टेबल विनोद कुमार, कांस्टेबल चरण सिंह, कांस्टेबल प्रमोद कुमार, कांस्टेबल परताराम पुलिस थाना राजियासर व जिला विशेष टीम के उपनिरीक्षक रामविलास, कांस्टेबल हबीब खां, कांस्टेबल निर्मल, कांस्टेबल प्रमोद, कांस्टेबल पवन, कांस्टेबल अश्वनी शामिल रहे व कांस्टेबल हबीब खां की विशेष भूमिका रही।

गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जनमार्ग न्यूज

सिरसा। जिले के चौपटा क्षेत्र में गाड़ी की टक्कर लगने से बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भतीजे की शिकायत के आधार पर आरोपी गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी चालक की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव कागदाना निवासी मुकेश कुमार ने बताया है कि वह और उसके 50 वर्षीय चाचा धारा सिंह अलग अलग बाइक पर सवार होकर खेत से घर आ रहे थे। इसी दौरान जब होटल से थोड़ा आगे पहुंचे तो पीछे से राजस्थान के भादरा की तरफ से आ रही सफेद रंग की गाड़ी के चालक ने लापरवाही व तेज गति से चलाते हुए गाड़ी की चाचा के बाइक में टक्कर मार दी। मुकेश ने बताया कि टक्कर लगते ही उसके चाचा धारा सिंह बाइक सहित रोड पर गिर गए। रोड पर गिरने के कारण उनके सिर व शरीर पर काफी चोटें आई।

अनूपगढ़ नगरपरिषद का 44 करोड़ का बजट मंजूर

● डोर टू डोर कचरा संग्रहण और टोल फ्री नंबर की होगी शुरुआत ● विकास कार्यों पर जोर

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। अनूपगढ़ नगरपरिषद में पहली बार आयोजित बजट बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 44 करोड़ 34 लाख रुपए का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। सभापति प्रियंका बैलान की अध्यक्षता में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में विधायक शिमला नायक और आयुक्त लाजपत बिश्नोई समेत 13 पार्षद मौजूद रहे। बजट में राजस्व के विभिन्न स्रोतों की समीक्षा की गई, जिसमें कर राजस्व, शुल्क, पंजीयन से प्राप्त आय, किराया और अन्य प्रभार शामिल हैं। सभापति बैलान ने बताया कि इस बजट से नगरपरिषद क्षेत्र में व्यापक विकास कार्य किए जाएंगे। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, जल निकासी की समस्या और रेलवे भूमि पर अतिक्रमण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। नगरपरिषद ने दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। पहला, कचरा संग्रहण व्यवस्था को सुधारने के लिए डोर टू डोर कचरा संग्रहण का काम ठेके पर दिया जाएगा। सभापति ने स्वीकार किया कि करोड़ों रुपए खर्च करने के बावजूद अब तक कचरा संग्रहण की उचित व्यवस्था नहीं हो पाई थी। दूसरा, नागरिकों की सुविधा के लिए एक टोल फ्री नंबर जारी किया जाएगा, जिससे लोग नगरपरिषद से संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। विधायक शिमला नायक ने शहर के गौरव पथ पर एकत्रित पानी को हटाने के लिए पानी की उचित निकासी करवाने की मांग की। विधायक ने कहा कि पानी निकासी की समस्या से स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा को अवगत करवाया जिसपर मंत्री खर्रा ने नगरपरिषद से प्रपोजल भिजवाने की बात कही। विधायक ने आयुक्त को प्रपोजल भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रोपोजल भिजवाने के बाद विधायक कोटे से पानी निकासी के लिए उचित कार्य करवाने की बात कही। बैठक में वार्ड पार्षद सुनील डाल और परविंदर सिंह ने अवगत करवाया कि हमारे वार्ड में पिछले 30ङ्क40 वर्षो से लोग निवास कर रहे हैं। इन लोगो को रेलवे अतिक्रमण का नोटिस देकर परेशान कर रही है जबकि इन वार्डो में नगरपरिषद लगातार विकास करवाती आती है। नगरपरिषद सभापति बैलान ने बैठक में कहा कि नगरपरिषद वार्ड 35 में सड़क निर्माण कार्य करवा रही है। इस निर्माण कार्य मे कुछ लोग रेलवे को उकसा कर शिकायत कर रहे हैं। रेलवे ने पिछले दिनों सड़क निर्माण को अतिक्रमण बताते हुए नगरपरिषद पर मुकदमा किया जिसकी सभी ने निंदा की। उन्होंने बताया कि उक्त सड़क निर्माण अतिक्रमण नही है। बैठक में आयुक्त लाजपत बिश्नोई ने नगरपरिषद में संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को स्थायी करने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भिजवाने की मांग की।

पिस्टल सहित पकड़े गए तीन युवक

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। हरियाणा के बदमाश इन दिनों बीकानेर में वारदात को अंजाम देने के चक्कर में घूम रहे हैं। पुलिस ने जिन तीन बदमाशों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है, उनमें एक हरियाणा का रहने वाला है तो दूसरा फलौदी का। तीसरा बीकानेर के नापासर थाना क्षेत्र का है। तीनों को आज अदालत में पेश करके रिमांड लिया जा सकता है। बीकानेर रेंज के आईजी ओम प्रकाश पासवान के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस तीन युवकों से तीन आधुनिक पिस्टल बरामद की है। इसके अलावा 52 कारतूस भी बरामद किए हैं। ये लोग बीकानेर में हथियार लेकर क्यों घूम रहे थे। इन तीनों का संपर्क किसी बड़े गैंग से होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि गैंग को लेकर पुलिस ने कोई खुलासा नहीं किया है। गिरफ्तार हुए युवकों में एक हरियाणा के पानीपत का रहने वाला राहुल जाट है। महज 27 साल का युवक राहुल जाट बीकानेर और फलौदी के दो अन्य युवकों के साथ बीकानेर में अत्याधुनिक पिस्टल लेकर आया था। राहुल पानीपत जिले के समालखां तहसील के जोरासी थाना क्षेत्र का रहने वाला है। इसके अलावा बीकानेर के नापासर गांव का रोहित राणा उर्फ लाला पुत्र पुनमचन्द राणा जाति राणा उम्र 19 वर्ष निवासी सींथल पीएस नापासर का है। तीसरा युवक मोहित पुत्र भोमाराम जाति राणा उम्र 29 साल निवासी चाखु पीएस चाखु जिला फलोदी का रहने वाला है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692